राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 22 जून 2025 वर्ष-8,अंक-123 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तनाव से गुजर रही दुनिया के लिए पॉज बटन जैसा है योग

- विशाखापट्टनम में बोले पीएम मोदी,राजनयिकों के साथ किया योग

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। दुनियाभर में शनिवार को 11वां योग दिवस मनाया गया। पीएम मोदी ने विशाखापट्टनम में 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिक के साथ योग किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि योग का मतलब होता है-जोड़ना। और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है। मोदी ने कहा कि आज जब दुनिया में अशांति, तनाव और अस्थिरता बढ़ रही है, तो योग शांति की दिशा दिखाता है। यह पॉज बटन जैसा। पीएम के साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने भी योग किया। इस बार की योग की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है। इंडियन काउंसिल फॉर कल्चर रिलेशन्स के मुताबिक, 191 देशों में 1,300 जगहों पर 2,000 से ज्यादा योग कार्यक्रम हुए। पीएम मोदी ने कहा- आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी ब्रेल में योग शास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं।

गांव-गांव में युवा साथी योग ओलिंपियाड में भाग लेते हैं। पीएम ने कहा कि अभी नेवी के जहाज में भी योगा कार्यक्रम चल रहा है। चाहे ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों, या एवरेस्ट की चोटियां, या समुंदर का विस्तार हो एक ही संदेश आता है कि योग सभी का है और सभी के लिए है। पीएम ने कहा कि साथियों दुर्भाग्य से दुनिया तनाव, अशांति और अस्थिरता से गुजर रही है। कई क्षेत्रों में यह स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही हैं।

एयर इंडिया पर डीजीसीए का सख्त ऐक्शन शुरू

- कहा-तीन सीनियर अधिकारियों को तुरंत हटाओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बार-बार फ्लाइट के गड़बड़ी के चलते एयर इंडिया पर ऐक्शन हो गया है। यह ऐक्शन डीजीसीए ने क्रू शेड्यूलिंग में गड़बड़ी के चलते लिया है। डीजीसीए ने एयर इंडिया को अपने तीन सीनियर अधिकारियों को तुरंत हटाने का आदेश दिया है। ये अधिकारी रोस्टरिंग विभाग में काम कर रहे थे। एयरलाइन ने कहा है कि उसे डीजीसीए का आदेश मिल गया है और उसे लागू कर दिया गया है। डीजीसीए ने एयर इंडिया को कहा है कि वह तीनों अधिकारियों को क्रू शेड्यूलिंग से जुड़े सभी कामों से हटा दे। डीजीसीए के अनुसार, ये तीनों अधिकारी कई गलत कामों में शामिल थे। इनमें बिना अनुमति के क्रू की जोड़ी बनाना, लाइसेंस नियमों का उल्लंघन करना और फ्लाइट क्रू की ट्रेनिंग पूरी न करना शामिल है। डीजीसीए ने इसे शेड्यूलिंग और निगरानी में सिस्टम की विफलता बताया है। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल कंपनी के चीफ ऑपरेशंस ऑफीसर सीधे इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर की निगरानी करेंगे।

- ईरान युद्ध में इजरायल को लगेगा बहुत बड़ा झटका

चीन और रूस ने यूनाइटेड फ्रंट बनाने का दिया प्रस्ताव

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान की हिफाजत के लिए रूस और चीन ने यूनाइटेड फ्रंट बनाने की घोषणा की है। सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रंप को सख्त संदेश भेजा गया है। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल की जिस लड़ाई में अमेरिका एंट्री करने की कोशिश कर रहा है, उसे कम करने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति से आह्वान किया है। गुरुवार को चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग व रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई टेलीफोन पर बातचीत के दौरान यह फैसला हुआ।

रूस भी नहीं टूटने देना चाहता ईरान का किला

रूस के लिए भी ईरान काफी महत्वपूर्ण देश है। रूस ने भी इजरायल-ईरान संघर्ष को रोकने के लिए बतौर मध्यस्थ खुद को पेश किया है। चीन की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि पुतिन के साथ बातचीत के दौरान शी जिनपिंग ने तनाव कम करने के लिए चार प्रस्ताव रखे हैं। जिनमें ईरान के साथ परमाणु मुद्दे पर बातचीत और नागरिक सुरक्षा को सबसे आगे रखा गया है। इस बीच, शी जिनपिंग के विदेश मंत्री वांग यी ने फोन पर ईरान के समर्थन में ईरान और इजरायल के साथ साथ मिस्र और ओमान के विदेश मंत्रियों से बात की है।

ईरान के साथ आए चीन और रूस

शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन के बीच टेलीफोन पर उस वक्त बात हुई है जब कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है की चीन के कई एयरक्राफ्ट ईरान में उतरे हैं। आशंका जताई गई है कि चीन ने ईरान में हथियार भेजे हैं। हालांकि हम इसकी पुष्टि नहीं कर रहे हैं। चीन लंबे वक्त से अमेरिका को मिडिल ईस्ट में अस्थिरता के लिए जिम्मेदार मानता आया है। चीन के कई पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स का मौजूदा युद्ध को लेकर भी अमेरिका पर आरोप लगा रहे हैं। शंघाई इंटरनेशनल स्टडीज यूनिवर्सिटी के मिडिल ईस्ट एक्सपर्ट लियू झोंगमिन ने मौजूदा हालातों के लिए डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा है कि ट्रंप की वजह से मिडिल ईस्ट में अस्थिरता और अराजकता की स्थिति फैल गई है। उन्होंने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व में अमेरिकी नीति के अधिकार और विश्वसनीयता को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है।

राहुल ने मेक इन इंडिया को असेंबल्ड इन इंडिया कहा

- बोले-मैन्युफैक्चरिंग 10 साल में सबसे नीचे,बेरोजगारी सबसे ज्यादा, मोदी सिर्फ नारे उछाल रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दो स्किल्ड युवाओं शिवम और सैफ से मुलाकात की। इसका वीडियो उन्होंने एक्स पर शेयर किया। इसमें उन्होंने पीएम मोदी की महत्वाकांक्षी मेक इन इंडिया स्कीम पर सवाल उठाए। वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा- मेक इन इंडिया स्कीम से देश में प्रोडक्शन बढ़ाने का दावा किया गया था, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग रिकॉर्ड निचले स्तर पर है और बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। 2014 से देश में मैन्युफैक्चरिंग 14 फीसदी घटी है और चीन से इम्पोर्ट दोगुना हुआ है। उन्होंने लिखा- मोदी जी ने समाधान नहीं, नारे लगाने की कला में महारत हासिल की है।

ऑपरेशन सिंधु: 290 भारतीयों को लेकर तीसरी विशेष फ्लाइट दिल्ली पहुँची

-वतन वापसी पर यात्रियों ने लगाए हिंदुस्तान जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इज़रायल संघर्ष के बीच केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे ÷ऑपरेशन सिंधु÷ ने शनिवार को एक और अहम पड़ाव पार कर लिया। तेहरान से रवाना हुई तीसरी विशेष उड़ान तड़के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारी गई, जिसमें 290 भारतीय नागरिक सवार थे। ईरान से वतन वापसी पर टर्मिनल से बाहर निकले यात्रियों ने हिंदुस्तान जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारों से आसमान को गुंजायमान कर दिया।

भारत लौटे इन यात्रियों में सबसे अधिक 190 लोग केंद्र-शासित जम्मू-कश्मीर से हैं; शेष हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों के निवासी हैं।

विदेश मंत्रालय में सचिव (सीपीवी एवं ओआईए) अरुण कुमार चटर्जी ने हवाई अड्डे पर मीडिया को बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे लिए भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऑपरेशन सिंधु शुरू हुए अभी तीन दिन ही हुए हैं और हम पहले ही 500 से अधिक नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश पहुँचा चुके हैं। इस अवसर पर चटर्जी ने आर्मेनिया और तुर्कमेनिस्तान का विशेष आभार जताते हुए कहा कि इन देशों ने भारतीयों की निर्बाध आवाजाही में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है।

युद्ध की दहशत के बीच वतन लौटे यात्रियों ने भारत सरकार के प्रबंधों की सराहना की है। ईरान से लौटीं एलिया वतूल ने मीडिया के समक्ष कहा, कि वहाँ हालात अनिश्चितता वाले थे, लेकिन हमें भारत सरकार ने पाँच सितारा स्तर की सुविधा और सतत हौसला दिया है। हमें विश्वास था कि सही-सालामत लौटेंगे—और आज वही हुआ। वहीं मौलाना सैय्यद मोहम्मद सईद ने कहा, कि दूतावास ने तुरंत हमें सेफ़ ज़ोन में पहुँचाकर राहत प्रदान की और फ्लाइट का इंतज़ाम किया; हम प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री के शुक्रगुज़ार हैं।

इसके साथ ही चटर्जी ने आगे बताया कि ईरान और इज़रायल में रह रहे शेष भारतीयों को दूतावास की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करने को कहा गया है। उन्होंने कहा, सूची पूरी होते ही अतिरिक्त इवैक्यूएशन फ्लाइट्स तैनात की जाएँगी; कई एयरलाइनों से बातचीत चल रही है। जब तक हर इच्छुक भारतीय स्वदेश नहीं लौट जाता, ऑपरेशन सिंधु जारी रहेगा।

ईरान में 10 हजार से अधिक भारतीय हैं मौजूद

सरकारी आँकड़ों के अनुसार, ईरान में अब भी लगभग 10,765 भारतीय मौजूद हैं, जिनमें छात्र, तीर्थयात्री, कामगार और व्यवसायी शामिल हैं। नौसेना तथा वायुसेना सतर्क निगरानी बनाए हुए हैं; आवश्यकता पड़ने पर समुद्री मार्ग से भी बड़े स्तर पर निकासी अभियान शुरू किया जा सकता है। विदेश मंत्रालय ने ईरान-इज़राइल क्षेत्र में बसे सभी भारतीयों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें, स्थानीय अधिकारियों व भारतीय मिशनों के संपर्क में रहें और आधिकारिक दिशानिर्देशों का पालन करें।

अब एयरलिफ्ट कराया जाएगा ब्रिटेन का लड़ाकू विमान

- *14 जून से केरल में है खड़ा,हाइड्रोलिक में आई है खराबी*

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। एक हफ्ते पहले केरल के तिरुअनंतपुरम हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करने वाले ब्रिटिश रायल नेवी के एफ-35बी लड़ाकू विमान में अब हाइड्रोलिक खराबी आ गई है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, इसे संभवतः एक सैन्य परिवहन विमान से वापस ब्रिटेन ले जाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार विमान को पुनर्प्राप्त करने के लिए एक बड़ा रखरखाव दल आने की उम्मीद है और यदि आवश्यक हुआ, तो इसे सैन्य परिवहन विमान से वापस ले जाया जा सकता है। भारतीय वायुसेना विमान की समस्या को ठीक करने और इसके बाद की वापसी के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। अधिकारियों ने कहा, कुछ दिन पहले, ब्रिटिश नौसेना का एफ-35बी लड़ाकू विमान कम ईंधन के कारण आपात लैंडिंग करने पर मजबूर हुआ था। इसके बाद भारतीय वायु सेना ने सभी आवश्यक सहायता प्रदान की, जिसमें ईंधन भरना भी शामिल था। हालांकि, जब विमान वापस जा रहा था, तो इसमें हाइड्रोलिक खराबी आ गई और यह वापस नहीं जा सका।

बिहार चुनाव से पहले नीतिश ने चला बड़ा दांव

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने महिला संवाद के मौके पर बड़ा ऐलान किया है। राज्य में सभी प्रकार के सामाजिक सुरक्षा पेंशन में भारी बढ़ोतरी की गयी है। बुजुर्गों के साथ सभी कोटि के लाभूकों को अब 400 के बदले 1100 रुपए प्रति माह मिलेंगे। हर माह की दस तारीख को इसका भुगतान कर दिया जाएगा। सोशल मीडिया पर पोस्ट पर पोस्ट कर सीएम ने इसकी जनकारी दी है। बिहार में लंबे समय से इसकी मांग की जा रही थी। जुलाई महीने से नए दर से पेंशन का भुगतान शुरू हो जाएगा। जीविका दीदियों को भी अब समूह लोन के तौर पर तीन लाख की जगह पांच लाख तक की राशि दी जाएगी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार बनने पर इसे 1500 तो प्रशांत किशोर ने 2000 करने का ऐलान किया था। नीतिश कुमार ने फेसबुक पर पोस्ट किया है कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत विधवा महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को अब हर महीने 1100 रुपए पेंशन मिलेगी।

मोदी सरकार की ‘विदेश नीति’ पर जमकर बरसीं सोनिया

- पूछा-गाजा में तबाही और अब ईरान के खिलाफ चुप्पी क्यों
- पश्चिम एशिया पर भारत के सैद्धांतिक रुख को त्यागा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने शनिवार को मोदी सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने गाजा की स्थिति और इजराइल-ईरान सैन्य संघर्ष पर चुप्पी साधते हुए भारत के नैतिक और पारंपरिक रुख से दूरी बना ली है। मूल्यों को भी ताक पर रख दिया है। सरकार को बोलना चाहिए और पश्चिम एशिया में संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए उपलब्ध हर राजनयिक माध्यम का उपयोग करना चाहिए। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने अंग्रेजी अखबार के लिए लिखे एक लेख में आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने इजराइल और फलस्तीन के रूप में दो राष्ट्र वाले समाधान से जुड़े भारत के सैद्धांतिक रुख को त्याग दिया है। सोनिया गांधी ने लेख में कहा कि ईरान भारत का लंबे समय से मित्र रहा है। गहरे सभ्यतागत संबंधों से हमारे साथ जुड़ा हुआ है। इसका जम्मू-कश्मीर समेत महत्वपूर्ण मौकों पर दृढ़ समर्थन का इतिहास रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि वर्ष 1994 में ईरान ने कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत की आलोचना करने वाले एक प्रस्ताव को रोकने में मदद की थी। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि वास्तव में इस्लामी गणतंत्र ईरान अपने पूर्ववर्ती ईरान के शाह शासन की तुलना में भारत के साथ कहीं अधिक सहयोगी रहा है।

विरोधियों की समस्या का हल लाया चुनाव आयोग, पैसा दो, ईवीएम की जांच करा लो

अब उम्मीदवार चाहें मॉक पोल भी करवा सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। बार-बार विपक्षी दलों द्वारा ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने पर अब चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, चुनाव आयोग ने ईवीएम की जांच के नियमों में बदलाव किया है। अब जो उम्मीदवार चुनाव में दूसरे या तीसरे नंबर पर रहे, वे भी ईवीएम की जांच करवा सकते हैं। पहले सिर्फ एक सामान्य जांच होती थी। अब उम्मीदवार चाहें मॉक पोल भी करवा सकते हैं।

पहले, 1 जून 2024 को जारी नियमों के अनुसार, ईवीएम की जांच एक साथ होती थी। इसमें बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट शामिल थे। जांच भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) या इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के इंजीनियर करते थे। तब मॉक पोल की सुविधा नहीं थी।

लेकिन, अब 17 जून 2025 को चुनाव आयोग ने नए नियम जारी कर दिए है। अब ईवीएम की जांच के लिए उम्मीदवारों को अलग-अलग शुल्क देना होगा। अगर उम्मीदवार सिर्फ ईवीएम की जांच करवाना चाहते हैं, तब उन्हें 23,600 रुपये देने होगा। इसमें 18 प्रतिशत जीएसटी भी शामिल है। अगर वे मॉक पोल भी करवाना चाहते हैं, तब उन्हें 47,200 रुपये देना होगा। यह पैसा ईवीएम बनाने वाली कंपनी को देना होगा।

अगर जांच में ईवीएम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तब उम्मीदवार को पैसे वापस मिल जाएंगे। यह खर्च केंद्र या राज्य सरकार उठाएगी। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि चुनाव किसका था। जो उम्मीदवार चाहें, वे नतीजे आने के सात दिन के अंदर ईवीएम की जांच के लिए आवेदन कर सकते हैं। वे हर विधानसभा क्षेत्र में 5 प्रतिशत ईवीएम की जांच करवा सकते हैं। इसमें बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट शामिल है। उम्मीदवार यह जांच ईवीएम में किसी तरह की छेड़छाड़ या बदलाव देखने के लिए करवा सकते हैं।

नए नियमों के अनुसार, मुख्य चुनाव अधिकारी को ईवीएम जांच के आवेदनों की लिस्ट मशीन बनाने वाली कंपनियों को भेजनी होगी। अब यह लिस्ट नतीजे आने के 30 दिन के बजाय 15 दिन के अंदर भेजनी होगी। एक और महत्वपूर्ण फैसले में, चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान बनाए गए वीडियो और फोटो को लेकर चिंता जाहिर की है। आयोग को डर है कि इनका गलत इस्तेमाल हो सकता है।

आधी रात को शूट किया वीडियो,शाह को दी जानकारी

- जस्टिस यशवंत वर्मा कैश कांड मामले में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस वर्मा के घर कैश मिलने के मामले में अहम जानकारी सामने आई है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने सबसे पहले गृह मंत्री अमित शाह को जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर नकदी की चार या पांच आधी जली हुई बोरियों के बारे में सूचित किया था। ये कैश 14 मार्च की रात बंगले के स्टोररूम में आग लगने के बाद संयोग से मिली थीं। आग की इमरजेंसी कॉल का जवाब देते हुए, अग्निशमन विभाग और पुलिस 14 मार्च को रात 11.30 बजे के कुछ समय बाद न्यायमूर्ति वर्मा के तुगलक क्रिसेंट बंगले पर पहुंची। सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वालों ने, जो नकदी से भरे बैगों को देखकर चौंक गए, आधी रात के आसपास 500 रुपये के आधे जले हुए नोटों का वीडियो शूट किया।

शाह के बाद हाई कोर्ट चीफ जस्टिस को सूचना

दिल्ली पुलिस प्रमुख अरोड़ा ने सबसे पहले 15 मार्च को गृह मंत्री को सूचित किया। बाद में दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डी के उपाध्याय को नकदी के बारे में जानकारी दी। दिल्ली पुलिस प्रमुख संजय अरोड़ा ने स्टोर रूम में लगी आग की कुछ तस्वीरें और वीडियो भी दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को शेयर की थी। चीफ जस्टिस ने तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना को इसकी जानकारी दी। इसके बाद घटनाओं की एक सीरिज शुरू हुई और इस सनसनीखेज प्रकरण की जांच शुरू हुई। जांच पैनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने 15 मार्च की दोपहर में जस्टिस डीके उपाध्याय के साथ जानकारी साझा की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार में इस बार किसकी बहार

(लेखक- राधा रमण)

पांच साल बाद बिहार में विधानसभा चुनाव की रणभेरी फिर बजनेवाली है। हालांकि चुनाव आयोग ने अभी तक मतदान तारीखों की घोषणा नहीं की है। बिहार विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 22 नवंबर 25 तक है। जाहिर है विधानसभा के चुनाव इससे पहले ही होंगे। पिछली बार 2020 में तीन चरणों में 28 अक्टूबर, 3 नवंबर और 7 नवंबर को बिहार विधानसभा के चुनाव कराये गए थे। सरकार का गठन 23 नवंबर को हुआ था। ऐसे में अटकलें हैं कि चुनाव आयोग 15 अगस्त के बाद कभी भी मतदान तारीखों की घोषणा कर सकता है।

भले ही मतदान की तिथियों पर चुनाव आयोग खामोश है लेकिन बिहार के सियासी दलों ने अपने पत्ते खोलने प्रारंभ के दिए हैं। सीटों की दावेदारी पर राज्य के 3 बड़े दलों (राष्ट्रीय जनता दल, भारतीय जनता पार्टी और जनता दल - यूनाइटेड) ने अभी तक पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन उन्हें समर्थन देनेवाली पार्टियों के नेता मनमाफिक दावेदारी करने लगे हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगी और पिछली मौजूदा विधानसभा में महज 4 सीटोंवाली हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी इस बार 40 सीटों पर दावा ठोंक रहे हैं तो बिना विधायक की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सर्वेसर्वा केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान राज्य की कुल 243 सीटों पर असर होने का दावा कर रहे हैं। एनडीए के एक और सहयोगी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा कहते हैं कि अगर उन्हें डुबोने की कोशिश की गई तो डुबोने वाले भी नहीं बचेंगे। उधर, मुख्यमंत्री नीतीश की पार्टी जदयू चुनाव में भाजपा के बराबर सीटों की दावेदारी पर पहले से अडिग है। जाहिर है एनडीए के सभी घटक दल अपनी ताकत बढ़ाने की फिराक में हैं।

> सीटों के बंटवारे पर रार महागठबंधन में भी कम नहीं है। कांग्रेस पिछली बार की तरह इस बार भी 70 सीटों पर दावेदारी कर रही है। उधर, विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी विधानसभा की 60 सीट और उप मुख्यमंत्री पद की मांग कई दफा सार्वजनिक रूप से कर चुके हैं। इस बीच 'बदलो सरकार-बदलो बिहार' यात्रा निकाल चुके वामदलों के नेता 45 सीटों की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि पिछले चुनाव में उन्हें 29 सीटें मिली थीं जिनमें 16 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि कांग्रेस 70 सीटों पर लड़कर महज 19 सीटें जीतने में कामयाब रही थी।

सीटों के बंटवारे पर रार महागठबंधन में भी कम नहीं है। कांग्रेस पिछली बार की तरह इस बार भी 70 सीटों पर दावेदारी कर रही है। उधर, विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी विधानसभा की 60 सीट और उप मुख्यमंत्री पद की मांग कई दफा सार्वजनिक रूप से कर चुके हैं। इस बीच 'बदलो सरकार-बदलो बिहार' यात्रा निकाल चुके वामदलों के नेता 45 सीटों की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि पिछले चुनाव में उन्हें 29 सीटें मिली थीं जिनमें 16 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि कांग्रेस 70 सीटों पर लड़कर महज 19 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। अगर इन दलों की मांग मान ली जाए तो क्या राष्ट्रीय जनता दल (राजद) महज 68 सीटों पर चुनाव लड़ेगी ? पिछली बार राजद 144 सीटों पर चुनाव लड़ी थी जिसमें 78 सीटों पर जीत मिली थी। इसके अलावा राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष और रामविलास पासवान के छोटे भाई पशुपति कुमार पारस भी महागठबंधन के बैनरतले चुनाव मैदान में उतरने की जुगत खोज रहे हैं। उनकी लालू यादव और तेजस्वी से मुलाकात भी हो चुकी है। उधर, झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी 12 सीटों पर दावा किया है। झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य कहते हैं कि झारखंड में हमने राजद के एकमात्र विधायक को मंत्री बनाया क्योंकि हम गठबंधन के तहत चुनाव मैदान में थे। अब राजद और कांग्रेस को बड़ा दिल दिखाना चाहिए। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की भी इच्छा महागठबंधन के बैनरतले चुनाव में उतरने की है। उसके नेता तेजस्वी यादव और लालू यादव तक अपनी बात पहुंचा चुके हैं। हालांकि कांग्रेस उसे साथ लेने को राजी नहीं है। ऐसे में महागठबंधन में सीटों के बंटवारे में सिरफुटौव्वल तय है।

चुनावी लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने के लिए कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर भी अपनी जनसुराज पार्टी बनाकर मैदान में उतर चुके हैं। प्रशांत अपनी पार्टी में कई रिटायर्ड नौकरशाहों के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचन्द्र प्रसाद सिंह (आरसीपी सिंह) को जोड़ चुके हैं। बिहार के चर्चित यू-ट्यूबर मनीष कश्यप भी भाजपा के रास्ते अब प्रशांत के साथ हो लिये हैं। प्रशांत का दावा है कि उनकी पार्टी सभी 243 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। उधर, वोट बैंक बढ़ाने के लिए आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, तृणमूल कांग्रेस समेत तमाम दल किसी से तालमेल न हो पाने की स्थिति में अकेले मैदान में ताल ठोंकेंगे। ये दल भले ही चुनाव नहीं जीतें लेकिन दोनों गठबंधनों में किसी का खेल जरूर खराब करेंगे।

इस बीच, राजद ने वरिष्ठ समाजवादी नेता मंगनीलाल मंडल को बिहार राजद का अध्यक्ष बनाकर अति पिछड़ों में पैठ बनाने का बड़ा दांव चल दिया है। मंडल धानुक जाति से आते हैं। वह जदयू के रास्ते से राजद में आये हैं। उनका व्यक्तित्व निर्विवाद रहा है। वे लोकसभा के सदस्य भी रह चुके हैं। देखना दिलचस्प होगा कि मंडल अपनी जाति का कितना वोट राजद को ट्रांसफर करा पाते हैं। बिहार की सियासत में जाति एक कटु सच्चाई है। वहां जाति के आधार पर न सिर्फ नेता हैं बल्कि जाति के आधार पर दल भी बने हैं। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव हों, चिराग पासवान हों या पशुपति पारस, मुकेश सहनी हों या जीतनराम मांझी, उपेन्द्र कुशवाहा हों या सम्राट चौधरी, नीतीश कुमार हों अथवा रामचन्द्र प्रसाद सिंह, सभी की राजनीति जातीयता की धुरी पर ही टिकी है।

उधर, चुनाव से चार महीना पहले एनडीए ने राज्य में वर्षों से खाली पड़े आयोग-बोर्डों के पदों को भर दिया है। कुल 13 आयोगों में से 8 का अध्यक्ष जदयू ने अपने नेताओं को बनाया है। 4 आयोग के अध्यक्ष भाजपा के नेता बनाए गए हैं, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता और चिराग पासवान के बहनोई मृणाल पासवान को अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। जीतनराम मांझी के दामाद देवेन्द्र कुमार को इसी आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है। उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी के हिस्से में महज सदस्य का पद मिला है। ऐसा करके टिकट के दावेदारों की भीड़ पर नियंत्रण करने का प्रयास किया गया है। हालांकि राजनीति के जानकार चुनावी साल में वर्षों से खाली पड़े आयोग के पुनर्गठन पर सवाल कर रहे हैं। उनका यह भी कहना है कि क्या एनडीए सरकार को वापसी में संशय लग रहा है जो आयोग- बोर्डों में खाली पदों को भरने में तत्परता दिखाई!

सियासी गुणा-गणित से इतर भाजपा पिछले एक साल से चुनाव प्रचार में पूरी तन्मयता से जुटी है। एक साल में प्रधानमंत्री सात बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। इसमें पांच बार का दौरा तो जनवरी से जून तक हो चुका है। वह अपनी हर सभा में लालू-राबड़ी के शासनकाल पर हमला बोलते हैं और हजारों करोड़ की योजनाओं की घोषणा करते हैं। काश! वह योजनाएं सफलीभूत हो जातीं तो बिहार बदहाल नहीं रहता। भाजपा ने राज्य में चुनावी वार रूम का गठन कर दिया है। इसका प्रभारी दिल्ली के रोहन गुप्ता को बनाया गया है। उसमें 150 से अधिक सदस्य हैं। रोहन गुप्ता काफी तेज-तर्रार नेता हैं। हरियाणा और दिल्ली के चुनाव में भी उन्होंने भाजपा वार रूम की कमान संभाली थी और पार्टी को विजय दिलाई थी। आनेवाले दिनों में भाजपा जिला स्तर तक वार रूम का गठन करेगी। लेकिन भाजपा की बड़ी दिक्कत बिहार में पार्टी का कोई अहम चेहरा न होना है जिसे मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट किया जा सके। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी राजद, जदयू समेत कई दलों से घुमते हुए भाजपा में पहुंचे हैं। उनका अपना कोई जनाधार नहीं है। उनके पिता स्व. शकुनि चौधरी जरूर कद्दावर नेता थे लेकिन वह कांग्रेस और समाजवादी पृष्ठभूमि के थे। इसी तरह प्रदेश भाजपा के अधिकांश नेता आयातित ही हैं। ऐसे में भाजपा चुनाव के बाद कोई उलटफेर कर दे तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

अपने पुराने जनाधार को संगठित करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। एक चर्चा यह भी है कि जदयू इस बार चिराग की दावेदारी वाले ब्रह्मपुर, दिनारा, कस्बा, हरनौत, कदवां, रुपौली, जगदीशपुर, रघुनाथपुर और ओबरा आदि सीटों पर नजर गड़ाए हुए है। इन सीटों पर पिछली बार चिराग की पार्टी के उम्मीदवार दूसरे नंबर पर रहे थे। चिराग इस बार किंगमेकर बनने की चाहत लिये हुए हैं। उनकी कोशिश है कि बिना उनके समर्थन के बिहार में कोई सरकार नहीं बने।

चुनाव की तैयारी में महागठबंधन भी पीछे नहीं है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार राज्य के कोने-कोने में घूम रहे हैं और मौजूदा सरकार की नाकामी उजागर कर रहे हैं। उन्होंने 'तेजस्वी डिजिटल फोर्स' का गठन कर युवाओं को उससे जुड़ने की अपील की है। तेजस्वी कहते हैं कि मुख्यमंत्री उम्रजनित बीमारियों के कारण अचेतावस्था में हैं और सहयोगी दलों के नेता नौकरशाहों के साथ मिलकर बिहार को लूट रहे हैं। अपराध चरम पर है और सरकार खामोश। आयोगों के पुनर्गठन में भाई-भतीजावाद का बोलबाला है। सीएम को लगे हाथ जमाई आयोग, दामाद आयोग और मेहरारू आयोग का भी गठन कर देना चाहिए।

कांग्रेस, विकासशील इंसान पार्टी और वामदलों के नेता भी अपने पक्ष में जनमत बनाने के लिए अभियान चलाये हुए हैं। राहुल गांधी एक साल में पांच बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। लब्बोलुआब यह कि गरमी के मौसम में बिहार में राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है।

संपादकीय

आक्रामक इस्राइली कार्रवाई

सुनियोजित व ठोस खुफिया जानकारियों के साथ इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों व शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर बड़े सधे हमले किए हैं। ईरान के नतान्ज स्थित मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशान बनाया गया। शुक्रवार की सुबह इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के जरिये वायु रक्षा प्रणाली व मिसाइलों को ध्वस्त करते हुए ईरान के हवाई क्षेत्र में सैकड़ों लड़ाकू जहाजों के जरिये भारी तबाही मचायी। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद की बड़ी भूमिका वाले इस ऑपरेशन के जरिये न केवल ईरान की मिसाइल क्षमता को कमजोर किया बल्कि हवाई रक्षा प्रणाली को भी बेअसर किया। जिसके बाद इस्राइली एयरफोर्स ने ताबड़तोड़ हमलों से ईरानी वायुक्षमता को बेदम कर दिया। लंबी खुफिया तैयारी के साथ इस्राइल ने ईरान के भीतर विस्फोटक ड्रोन बेस स्थापित किए और शुक्रवार तड़के इन ड्रोन ने ईरान के सैन्य ठिकानों में तबाही मचा दी। जिससे ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस्राइल ने ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों, सैन्य अधिकारियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों व प्रमुख लोगों पर लंबी तैयारी के बाद सटीक हमले किए। कई बड़े अधिकारियों को उनके घरों में ही मार दिया गया। दरअसल, इस्राइल का मानना था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब है। यहां तक कि परमाणु कार्यक्रम की निगरानी करने वाली संस्था आईएईए ने स्पष्ट शब्दों में ईरान पर परमाणु अप्रसार समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। हमले में सेना प्रमुख के अलावा ईरानी सेना की सबसे ताकतवर शाखा रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर हौसेन सलामी को भी मार डाला गया। हमले में न केवल यूरेनियम संवर्धन प्रतिष्ठान पर हमला किया गया, बल्कि कई परमाणु वैज्ञानिकों को भी मार दिया गया। ईरान ने इस्राइल पर नागरिक ठिकानों पर हमला करने के आरोप लगाए। उत्तर पूर्वी ईरान के अलावा नतांज परमाणु केंद्र पर भी धमाके सुने गए। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। वहीं दूसरी ओर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को चेताया है कि जब तक ईरान की ओर से खतरे की आशंका खत्म नहीं हो जाती, ये हमले आगे भी जारी रहेंगे। दरअसल, इस्राइल का मानना रहा है कि ईरान संवर्धित यूरेनियम से परमाणु हथियार बनाने के करीब है, जो उसके अस्तित्व के लिये चुनौती है। इस्राइल ने ईरान पर उसके क्षेत्र में सैकड़ों ड्रोन दागने के भी आरोप लगाये हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने अमेरिका व इस्राइल को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। दूसरी ओर ईरान के सरकारी मीडिया ने इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कोर के कमांडर इन चीफ हौसैन सलामी सहित पांच शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौत की बात स्वीकारी है। साथ ही दो महत्वपूर्ण परमाणु वैज्ञानिकों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। दरअसल, ईरान अमेरिका व इस्राइल के दावों को खारिज करते हुए कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिये है। जबकि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की दलील है कि ईरान की बातों पर विश्वास नहीं किया जा सकता। वह संवर्धित यूरेनियम से जुड़े प्रश्नों के तार्किक जवाब नहीं दे पाया है। कहा जा रहा है कि ईरान के गुप्त परमाणु ठिकानों का पता चलने के बाद उसके परमाणु कार्यक्रम की मंशा संदिग्ध बन गई है। उसने संवर्धित यूरेनियम भंडार के बारे में सटीक जानकारी भी नहीं दी। आईएईए की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान इतना यूरेनियम संवर्धित कर चुका है कि वह नौ परमाणु बना सकता है।

दिलों को ही नहीं, विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है संगीत

(लेखक- ललित गर्ग)

संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। यह ईश्वर का मानव को अनमोल उपहार है। क्योंकि एक सुर, जो जोड़ता है दुनिया को बिना बोले, धुनों से रचता है मनुष्य मन की कहानी। संगीत न केवल शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम है बल्कि यह हमारी भावनाओं को जुबान देता है, यह तनाव कम करता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति भी देता है। संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देता है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने में संगीत सबसे असरदार माध्यम है। संगीत को दुनिया की सबसे आसान और बेहतरीन भाषा मानी जाती है। संगीत की इन्हीं विलक्षण एवं अद्भुत विशेषताओं के कारण ही 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है 'सद्भाव के माध्यम से उपचार', जो संगीत की एकजुटता और उत्थान की क्षमता पर जोर देता है। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता, सद्भाव, सौहार्द तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत दिवस को 'फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है 'संगीत उत्सव'। विश्व संगीत दिवस 110 देशों में ही मनाया जाता है जिनमें जर्मनी, इटली, मिस्र, सीरिया, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, कांगो, कैमरून, मॉरीशस, फिजी, कोलम्बिया, चिली, नेपाल, और जापान आदि हैं। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। इस त्यौहार के अलग-अलग देशों में अलग-अलग नाम हैं, उदाहरण के लिए फ्रांस में 'ला फेते डे ला म्यूजिक', यूके में 'मेक म्यूजिक डे', इटली में 'फेस्टा डेला म्यूजिका' या पोलैंड में 'स्विएटो मुजिकी'। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज़, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज़ आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। इस संगीत का प्रारंभ वैदिक काल से भी पूर्व का है। इस संगीत का मूल स्रोत वेदों को माना जाता है। पंडित शारंगदेव कृत 'संगीत रत्नाकर' ग्रंथ मे भारतीय संगीत की परिभाषा 'गीतम, वादयम् तथा नृत्यं त्रयम संगीतमुच्यते' कहा गया है। गायन, वाद्य वादन एवम् नृत्य; तीनों कलाओं का समावेश संगीत शब्द में माना गया है। तीनो स्वतंत्र कला होते हुए भी एक दूसरे की पूरक है।

भारतीय संगीत के दो प्रकार प्रचलित है; प्रथम कर्नाटक संगीत, जो दक्षिण भारतीय राज्यों में प्रचलित है और दूसरा हिन्दुस्तानी संगीत शेष भारत में लोकप्रिय है। भारतवर्ष की सारी सभ्यताओं में संगीत का बड़ा महत्व रहा है। धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं में संगीत का प्रचलन प्राचीन काल से रहा है। इस रूप में, संगीत भारतीय संस्कृति की आत्मा मानी जाती है। वैदिक काल में आध्यात्मिक संगीत को मार्गी तथा लोक संगीत को 'देशी' कहा जाता था। कालांतर में यही शास्त्रीय और लोक संगीत के रूप में दिखता है। भारत में संगीत मुगल बादशाहों की छत्रछाया में और कर्नाटक संगीत दक्षिण के मन्दिरों में सर्वाधिक विकसित हुआ। इसी कारण दक्षिण भारतीय कृतियों में भक्ति रस अधिक मिलता है और हिन्दुस्तानी संगीत में श्रृंगार रस। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है।

संगीत मनोरंजन का जरिया ही नहीं, बल्कि यह देशों-दुनिया की संस्कृति को भी समझने में मदद करता है। खुशी हो या फिर गम, संगीत दिल को सुकून देता है। कहते हैं संगीत की कोई भाषा नहीं होती, यह सरहदों के पार होता है, दिल से निकलकर दिल तक पहुंचता है। संगीत को प्रेम की भाषा भी कहा जाता है। किसी के दिन की शुरूआत संगीत से होती है तो किसी की रात संगीत पर खत्म हो जाती है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं। अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है- कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट, मन्दिर की झंकार, हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं। संगीत में मूड ठीक करने की अद्भुत ताकत होती है। अच्छा संगीत बेचैनी कम करता है। शोध कहते हैं कि घंटों काम कर रहे व्यक्ति का कुछ देर अच्छा संगीत सुनना उनकी रचनात्मकता व कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है।

(चिंतन-मनन)

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

विचार मंथन

लोकतंत्र को बचाने में मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण

(लेखक- सनत जैन)

बिहार और झारखंड विधानसभा के चुनाव इसी वर्ष होने जा रहे हैं। अगले साल असम, पश्चिम बंगाल, पांडिचेरी, तमिलनाडु और केरल के विधानसभा चुनाव हैं। भारत में लोकतंत्र बचाओ अभियान विपक्ष चला रहा है। लोकतंत्र को बचाए रखने में मतदाताओं का सजग होना जरूरी है। मतदाताओं को अधिकार और कर्तव्यों का ज्ञान होना जरूरी है। मतदाताओं की रुचि अपने अधिकारों और लोकतंत्र को बनाए रखने की नहीं होगी, तो सत्ता में बैठे हुए लोग बहुमत के आधार पर सत्ता में बने रहने के लिए जवाबदेही से बचते हैं। बहुमत के बल पर इस तरह के नियम और कानून बनाते हैं। जिसके कारण नागरिकों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अधिकार सीमित होते चले जाते हैं। नियम और कानून की आड़ में नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन होने लगता है। सरकारों की ताकत बढ़ जाती है। मतदाता सरकारों पर निर्भर होकर रह जाते हैं। लोकतंत्र में चुनाव एक सेफ्टी वाल की तरह होता है। जो लोगों की नाराजगी को चुनाव के दौरान सामने लाता है। सत्ता में यदि समय-समय पर परिवर्तन होते हैं, ऐसी स्थिति में सरकारें जनता के प्रति जवाबदेह होती हैं। लोकतंत्र के लिए सबसे पहले खतरा अधिनायकवाद है। जब भी कोई सरकार आलोचना और असहमति से बचने लगती है। नागरिकों के अधिकारों को तरह-तरह के कानून बनाकर नियंत्रित करने की कोशिश करती है। उसके कारण अधिनायकबाद बढ़ता चला जाता है। नागरिकों के अधिकार सीमित होते चले जाते हैं। हाल ही में जिस तरह से बुलडोजर न्याय चल रहा है और सांसदों और विधायकों के अधिकार सीमित होते चले जा रहे है। जिस तरह से आम आदमी के ऊपर टैक्स बढ़ाये जा रहे हैं। नागरिकों की स्वतंत्रता, मौलिक अधिकार और लोकतंत्र पर सबसे बड़ा खतरा महसूस किया जा रहा है। जब कोई भी सत्ता बार-बार लंबे समय तक बनी रहती है। उसमें वंसवाद और अधिनायकवद बढ़ता जाता है। जो आगे चलकर तानाशाही में बदल जाता है। इस स्थिति में जनता की सुनवाई नहीं होती है। जब सरकार बड़े बहुमत के साथ सत्ता में आती है। ऐसे समय पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र भी समाप्त हो जाता है। जिसके कारण लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं समाप्त होने लगती हैं। वर्तमान में जिस तरह से राजनीति में धर्म, जाति, राष्ट्रवाद, बेनामी संपत्ति, धनबल और बाहुबल बढ़ा है। वह लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक स्थिति है। जब केंद्र एवं राज्यों में एक ही राजनीतिक दल की सरकारें लंबे समय तक रहती है। जैसा वर्तमान में कहा जा रहा है, डबल इंजन की सरकार को चुनें अन्यथा नुकसान होगा। जहां पर सिंगल इंजन की सरकार है। वहां पर केंद्र की सरकार उनके साथ भेदभाव करती है। जिसके कारण संघीय व्यवस्था और लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं डगमगाने लगी हैं। डॉक्टर अंबेडकर ने भी जब संविधान पर चर्चा हो रही थी। तब इस तरह की स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी। केंद्र की सरकार राज्यों की शक्ति कम करने की कोशिश करती है। डबल इंजन की सरकार का जुमला अपने आप में लोकतंत्र और संघवाद के खिलाफ है। चुनाव के पूर्व सभी राजनीतिक दल अपने-अपने घोषणा पत्र लेकर जनता के पास जाते हैं। उसके आधार पर जनता के मत को प्राप्त करते हैं। बाद में राजनैतिक दल की गई घोषणाओं से पल्ला झाड़ लेते हैं। यह मतदाताओं के साथ धोखा है। धोखाधड़ी करके राजनैतिक दल चुनाव जीत जाते हैं। भारत में अभी इस तरह की धोखाधड़ी के आधार पर सरकारों को नियंत्रित करने का कोई प्रावधान नहीं है। जिसके कारण पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति बड़े पैमाने पर बढी है चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को तरह-तरह के प्रलोभन दिए जाते हैं। चुनाव जीतने के बाद मतदाताओं के प्रति सरकार असवंदेनशील हो जाती है। लोकतंत्र को यदि बचाए रखना है, तो इसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी मतदाताओं की है। भारत की एक तिहाई आबादी अभी भी गरीबी रेखा के नीचे है। बेरोजगारी और महंगाई से आम आदमी त्रस्त है। स्वास्थ्य और शिक्षा का ढांचा पिछले कुछ वर्षों में बड़ी तेजी के साथ कमजोर होने लगा है। भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है। राजनीतिक दलों और सरकार के उच्च पदों के लोग आम जनता की जरूरतों को समझने और हल करने के मामलों में संवेदनशील नहीं है। जिसके कारण एक अराजकता जैसा माहौल बनने लगा है। सत्ता में बैठे हुए लोगों की जिम्मेदारी तय नहीं हो रही है। लोकतंत्र को बनाए रखना इस समय की सबसे बड़ी चुनौती है। 1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयर इंडिया की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बुकिंग में 20 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। एयर इंडिया की फ्लाइट के भयावह हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है। हादसे का असर सिर्फ भावनात्मक नहीं, बल्कि एयरलाइन की कारोबारी स्थिति पर भी साफ दिख रहा है। घटना के बाद यात्रियों के मन में डर बैठ गया है और इसका नतीजा यह हुआ है कि एयर इंडिया की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बुकिंग में करीब 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि किराए में भी 8 से 15 प्रतिशत तक की कटौती की गई है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) के अध्यक्ष रवि गोसाईं ने यह जानकारी दी। आईएटीओ अध्यक्ष के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद इंटरनेशनल रूट्स पर बुकिंग में 18-22 प्रतिशत और घरेलू फ्लाइट्स में 10-12 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। उन्होंने दो टूक कहा कि यह रुझान फिलहाल अस्थायी और भावनात्मक प्रतिक्रिया जैसा प्रतीत होता है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि समय के साथ स्थिति सामान्य हो सकती है, क्योंकि एयर इंडिया पर किसी प्रणालीगत सुरक्षा चूक का आरोप नहीं है और डीसीसीए जैसे नियामक संस्थानों ने इसकी अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के पालन की पुष्टि की है। हादसे के बाद एयर इंडिया ने किराये में भी कटौती की है। घरेलू रूट्स पर किराया 8-12 प्रतिशत कम हुआ है। इंटरनेशनल रूट्स, खासकर यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया की उड़ानों पर 10-15 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।झ

संभव स्टील ट्यूब्स आईपीओ 25 जून को, प्राइस बैंड का ऐलान

मुंबई। संभव स्टील ट्यूब्स आईपीओ के प्राइस बैंड का ऐलान हुआ है। कंपनी ने 77 रुपये से 82 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। संभव स्टील ट्यूब्स आईपीओ 25 जून को आएगा। निवेशकों के पास 27 जून तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका रहेगा। बात दें कि संभव स्टील ट्यूब्स ने बताया है कि वे प्राइमरी मार्केट से 540 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ ला रहे हैं। इस आईपीओ में फ्रेश इश्यू और ऑफर फार सेल दोनों शामिल रहेगा। कंपनी ऑफर फार सेल के द्वारा 1.22 करोड़ शेयर और फ्रेश इश्यू के द्वारा 5.37 करोड़ शेयर जारी करेगी। संभव स्टील ट्यूब्स आईपीओ का लॉट साइज 182 शेयरों का है। जिसकी वजह से किसी भी रिटेल निवेशक को करीब 14,924 रुपये का दांव लगाना होगा। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 4 रुपये की छूट दी है। क्योंकि यह एक मेनबोर्ड आईपीओ है। इसलिए संभव स्टील ट्यूब्स की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई दोनों जगह होगी। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए करीब 35 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। एनआईआई के लिए करीब 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा।

एचडीबी फाइनेंशियल आईपीओ की कीमतों में भारी कटौती

- फीडबैक के बाद तय हुआ प्राइस बैंड

नई दिल्ली ।एचडीबी फाइनैंशियल के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम की पेशकश कीमतों में भारी कटौती म्युचुअल फंडों, बीमा कंपनियों और अग्रणी विदेशी संस्थागत निवेशकों समेत उच्च गुणवत्ता वाले निवेशकों के साथ व्यापक रोडशो और उनसे मिले फीडबैक के बाद की गई। कंपनी के प्रबंधन और आईपीओ से जुड़े बैंकरों ने यह बताया। आईपीओ का कीमत दायरा इस कंपनी के शेयरों की असूचीबद्ध बाजार में हो रही ट्रेडिंग के मुकाबले काफी कम है। अगर आरबीआई के परिपत्र का मसौदा लागू हुआ तो एचडीबी की प्रवर्तक एचडीएफसी बैंक को अपनी हिस्सेदारी घटाकर 20 फीसदी पर लानी पड़ सकती है। बैंकरों ने कहा कि असूचीबद्ध बाजार में मूल्य निर्धारण किसी भी प्रबंधन इनपुट के बगैर है। एचडीबी फाइनैंशियल ने अपने आईपीओ के लिए 700 से 740 रुपये का कीमत दायरा तय किया है। आईपीओ 25 को खुलकर 27 जून को बंद होगा। 24 जून को एंकर निवेशक आवेदन कर पाएंगे।

एनएसई के आईपीओ में कोई भी रुकावट नहीं रहेगी: सेबी प्रमुख

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि एनएसई के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए कोई रुकावट उत्पन्न नहीं होगी। सेबी प्रमुख ने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के दिवाली से पहले आने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर कोई समयसीमा साझा करने से इनकार कर दिया। उन्होंने यहां एफई सीएफओ अवॉर्ड्स समारोह को संबोधित करते हुए कहा ` कि एनएसई के आईपीओ के मामले में कोई भी बाधा नहीं रहेगी। पांडेय ने दोहराया कि सेबी शेयर बाजारों द्वारा समाशोधन निगम का स्वामित्व रखने से सहमत है और यह स्वामित्व एनएसई के आईपीओ की दौड़ में कोई 'बाधा नहीं है। उन्होंने बताया कि समाशोधन निगम के स्वामित्व के मामले में हर देश के अपने मॉडल होते हैं। अमेरिका में ब्रोकर इसके मालिक हैं जबकि भारत में वे अलग-अलग इकाई के रूप में काम करते हैं। मार्च में सेबी प्रमुख का पदभार संभालने वाले पांडेय ने कहा कि एनएसई कुछ कानूनी प्रक्रियाओं को निपटाने की प्रक्रिया में है, जिसमें कुछ राशि का भुगतान

करना और कुछ मामलों को वापस लेना शामिल है। हालांकि, उन्होंने निपटान की सटीक प्रकृति और किए जाने वाले भुगतानों के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी।

80 दिनों में इनकम टैक्स कलेक्शन 5.45 लाख करोड़ के पार

मुंबई । देश के डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में लगातार मजबूती देखने को मिल रही है। वित्त मंत्रालय के अनुसार 19 जून 2025 तक डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 4.86 फीसदी बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जो बीते साल इसी अवधि में 5.19 लाख करोड़ रुपए था। हालांकि, टैक्स रिफंड में तेज बढ़ोतरी के चलते शुद्ध टैक्स संग्रह (नेट कलेक्शन) में हल्की गिरावट देखी गई। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार टैक्स रिफंड में साल-दर-साल 58.04 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह रिफंड 2024 में 54,661 करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर 86,385 करोड़ रुपए हो गया है। इसके चलते नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 1.39 फीसदी घटकर 4.58 लाख करोड़ रुपए रह गया। एडवांस टैक्स कलेक्शन में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला है। कुल एडवांस टैक्स 3.87 फीसदी बढ़कर 1,55,533 करोड़ रुपए हो गया है। इसमें कॉरपोरेट टैक्स का योगदान 1,21,604 करोड़ रुपए रहा, जो करीब 6 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, नॉन-कॉरपोरेट एडवांस टैक्स में 2.68 फीसदी की गिरावट आई है और यह घटकर 33,928 करोड़ रुपए रह गया है।

ब्रोकरेज हाउस ने इस शेयर पर दिखाया भरोसा, 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी आएगी

मुंबई। बीते एक साल से स्टॉक मार्केट में संघर्ष कर रहे स्टॉक टाटा मोटर्स के प्रदर्शन को लेकर ब्रोकरेज हाउस ने बड़ी भविष्यवाणी की है। ब्रोकरेज हाउस का कहना हैं कि कंपनी के शेयरों में 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी प्राप्त करने की क्षमता है। बता दें, शुक्रवार को मार्केट की तेजी में टाटा मोटर्स के शेयरों में भी बढ़त दिखाई दी थी। रिपोर्ट के अनुसार टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयरों को ब्रोकरेज फर्म ने आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस की ओर से टाटा ग्रुप के स्टॉक का टारगेट मूल्य 830 रुपये प्रति शेयर सेट किया है। ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि जगुआर और लैंडरोवर एक लक्जरी ब्रांड बनने की ओर अग्रसर हो रहे है। टाटा मोटर्स का फोकस है कि पैसेंजर वाहन सेगमेंट में उसका मार्केट शेयर बढ़े। इसके लिए कंपनी अलग-अलग मॉडल लांच कर रही है। वहीं, टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में भी तेजी से काम कर रही है। कंपनी ने ईवी सेगमेंट के लिए जो टारगेट रखा है, उस टारगेट को 2030 में हासिल कर लेगी। बता दें, टाटा मोटर्स की कुल सेल्स का 15 प्रतिशत ईवी सेगमेंट से आता है। अपनी प्रतिद्वंदी कंपनी हुंडई, मारुति की तुलना में टाटा मोटर्स ईवी सेगमेंट में अच्छा काम कर रही है। बीते एक साल में टाटा मोटर्स के शेयरों का भाव 30 प्रतिशत टूट चुका है। कंपनी ने 2 साल में करीब 16 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 30 प्रतिशत की तेजी आई है।

लगातार दूसरे सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में तेजी रही

- सेंसेक्स और निफ्टी 1.5 फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ बंद हुए

मुंबई ।

बीते सप्ताह जियोपोली टिकल टेंशन, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई। हालों कि शेयर बाजार में सप्ताह भर उथल पुथल भरा कारोबार देखने को मिला। 20 जून को खत्म हुए हफ्ते में बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी में 1.5 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुए। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को हरियाली दिखी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 288.79 अंक चढ़कर 81,407.39 पर खुला और 677.55 अंक चढ़कर 81,796.15 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 98.9 अंक चढ़कर 24,817.50 पर खुला और 227.90 अंक चढ़कर 24,946.50 पर बंद हुआ। मंगलवार को लाल निशान पर खुला बाजार हरे निशान पर भी आया, लेकिन यह हरियाली ज्यादा देर नहीं टिकी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 127.02 अंक गिरकर 81,669.13 पर खुला और 212.85 अंक गिरकर 81,583.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 369.14 अंक गिरकर 81,427.01 अंक पर आ गया था। निफ्टी 55 अंक गिरकर 24,891.50 पर खुला और वहीं एनएसई निफ्टी 93.10 अंक या 0.37 प्रतिशत गिरकर 24,853.40 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बाद में उछला और 93.05 अंक बढ़कर 81,676.35 पर खुला और 346.29 अंक गिरकर 81,237.01 के निचले स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी 42.80 अंक बढ़कर 24,896.20 पर खुला और 41.35 अंक गिरकर 24,812.05 अंक पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच गुरुवार को सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट रही। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 253.62 अंक गिरकर 81191.04 पर खुला और 82.79 अंक गिरकर 81,361.87 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 392.9 अंक का उतार-चढ़ाव देखा और 81,583.94 अंक के उच्चतम और 81,191.04 अंक के न्यूनतम स्तर को छुआ। जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.95 अंक गिरकर 24738.10 पर खुला और एनएसई निफ्टी 18.80 अंक गिरकर 24,793.25 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार की शुक्रवार को सपाट शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 289.43 अंक चढ़कर 81,651.30 पर खुला और 1046.30 अंक उछलकर 82,408.17 अंक पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 88.25 अंक चढ़कर 24,881.50 पर खुला और 319.15 अंक बढ़कर 25,112.40 अंक पर बंद हुआ।

गर्व की बात.........फिरंगियों के देश में भारतीय कंपनियों का दबदबा

मुंबई।

फिरंगियों के देश यानी यूके में भारतीय कंपनियों का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां भारतीय कंपनियों की संख्या में रिकॉर्ड तेजी देखी जा रही है। सिर्फ संख्या में तेजी ही नहीं, बल्कि कमाई भी खूब बढ़ी है। दरअसल, एक कारोबारी संगठन ने ये विश्लेषण किया है।

विश्लेषण के अनुसार, ब्रिटेन में काम कर रही भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियों की संख्या में बीते साल के मुकाबले 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस साल यह संख्या 1197 तक पहुंच गई है। यह सालाना वृद्धि की सबसे तेज गति है। साथ ही ब्रिटेन में भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियों का संयुक्त राजस्व साल 2024 में 68.09 अरब पाउंड (करीब 7932 अरब रुपये) से बढ़कर 72.14 अरब पाउंड (करीब 8404 अरब रुपये) हो गया है।

ये व्यवसाय पूरे यूके में 1.27 लाख लोगों को रोजगार देते हैं। बीते साल 8000 से अधिक नए रोजगार जोड़े हैं। साल 2025 ट्रैकर कंपनियों ने 42 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर और 32.6 अरब पाउंड का संयुक्त कारोबार हासिल किया।

इन फर्मों ने 67.3 मिलियन पाउंड का कॉर्पोरेशन टैक्स भी दिया और 56 हजार से अधिक नौकरियां पैदा कीं। आईजीएफ के अध्यक्ष मनोज लाडवा ने कहा कि इस वर्ष का इंडिया मीट्स ब्रिटेन ट्रैकर इस बात को रेखांकित करता है कि भारतीय कारोबार यूके के साथ एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार और निवेश केंद्र के रूप में कितने जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि यूके और भारत के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से इंडिया ग्लोबल फोरम का यूके-इंडिया फ्यूचर फोरम एक महत्वपूर्ण आधुनिक मंच बन रहा है। लाडवा ने कहा कि यह देखना उत्साहजनक है कि यूके में भारतीय निवेश न केवल बढ़ रहा है बल्कि फल-फूल भी रहा है। वहीं यूके एक्सपर्ट ने भी भारतीय कंपनियों की बढ़ती संख्या और रेवेन्यू को सराहा।

साल 2025 ट्रैकर में विप्रो आईटी सर्विसेज यूके सोसाइटस 448 प्रतिशत राजस्व वृद्धि के साथ विकास रैंकिंग में सबसे ऊपर है। इसके बाद आईटी मैनेजमेंट फर्म जोहो कॉर्पोरेशन लिमिटेड है जिसने 197 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। कुल मिलाकर 20 कंपनियां 2025 में पहली बार ट्रैकर में शामिल हुईं, जबकि 41 कंपनियां पिछले साल से ट्रैकर पर बनी रहीं। भारतीय कंपनियों के लिए लंदन पसंदीदा जगह बनी हुई है। यहां कुल भारतीय कंपनियों में से 47 फीसदी का हेडक्वार्टर है।

आरबीआई ने गोल्ड लोन के नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली । भारत में गोल्ड लोन के नियमों में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में बड़ा बदलाव किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अब 2.5 लाख से 5 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन पर सोने की कीमत के 80 फीसदी तक ऋण दिया जा सकेगा, जबकि 5 लाख रुपये से अधिक के लोन के लिए यह सीमा घटाकर 75 फीसदी कर दी गई है। यह बदलाव 1 अप्रैल 2026 तक सभी संबंधित संस्थानों द्वारा लागू करना अनिवार्य होगा। गोल्ड लोन की राशि का निर्धारण सोने की शुद्धता और मार्केट कीमत के आधार पर होता है। आमतौर पर 22 कैरेट सोना गिरवी रखा जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि 22 कैरेट सोने की प्रति ग्राम कीमत 9,000 रुपये हो, तो 10 ग्राम सोने की कुल कीमत 90,000 रुपये होगी। 75 फीसदी लोन-टू-वैल्यू के हिसाब से, आप लगभग 67,500 रुपये तक का गोल्ड लोन प्राप्त कर सकते हैं। यह राशि लोन लेने के समय सोने की मार्केट वैल्यू और शुद्धता के अनुसार थोड़ी बढ़ या घट सकती है। गोल्ड लोन लेने के लिए आप बैंक या नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) दोनों विकल्पों में से चुन सकते हैं। बैंक आमतौर पर कम ब्याज दर पर लोन देते हैं, लेकिन प्रक्रिया में थोड़ा अधिक समय लग सकता है। वहीं एनबीएफसी से गोल्ड लोन जल्दी अप्रूव हो जाता है लेकिन ब्याज दर थोड़ी ज्यादा होती है।

तेल की कीमतों में तीन साल की सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की गई

नई दिल्ली।

ईरान और इज़राइल के बीच चल रहे तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को झकझोर दिया है। बीते दिनों कच्चे तेल की कीमतों में एक ही दिन में बीते तीन वर्षों की सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की गई। तेल की कीमतों में उछाल ने भारत समेत कई तेल आयातक देशों के लिए गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है` कि इस संघर्ष का वैश्विक आपूर्ति पर भी असर पड़ा है और भारत भी प्रभावित हो सकता है। अगर ईरान पर इजराइल और अमेरिका का दबाव बढ़ता है तो वह तेल की आपूर्ति रोक सकता है। खाड़ी क्षेत्र के अन्य उत्पादक देशों की तेल साइट्स भी ईरानी मिसाइलों की रेंज में हैं। इससे सप्लाई ठप हो सकती है और कीमतों में अप्रत्याशित तेजी आ सकती है, जिसका असर भारत पर भी होगा। ईरान वैश्विक क्रूड ऑयल आपूर्ति में लगभग 2 फीसदी का योगदान देता है। खरग द्वीप के ज़रिए ईरान का 90 फीसदी तेल निर्यात होता है लेकिन हालिया सैटेलाइट इमेज से शिपमेंट में गिरावट सामने आई है। वहीं, होर्मुज जलडमरूमध्य - जहां से 20 फीसदी वैश्विक तेल आता-जाता है, अभी चालू है लेकिन खतरा मंडरा रहा है। तेल संकट की स्थिति में दुनिया की उम्मीदें सऊदी अरब और यूएई पर टिकी होंगी। दोनों मिलकर 30-40 लाख बैरल अतिरिक्त उत्पादन कर सकते हैं। सऊदी अरब पहले ही 12.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन उत्पादन कर रहा है और इसके पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार है। भारत अपनी तेल जरूरतों का 85-88 फीसदी आयात करता है, मुख्य रूप से इराक, सऊदी अरब, रूस और यूएई से। यदि होर्मुज मार्ग बाधित होता है तो न केवल आयात बिल बढ़ेगा, बल्कि चालू खाता घाटा और महंगाई में भी इजाफा हो सकता है। अगर हालात युद्ध में बदलते हैं तो ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है, जो दुनिया की एक-तिहाई तेल और 20 फीसदी नेचुरल गैस का रूट है।

इससे कच्चे तेल की कीमत में 20 फीसदी तक उछाल आ सकता है। भारत के कुल तेल आयात का लगभग 45-50 फीसदी इसी रास्ते से आता है।

इस वर्ष मई में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए कम हुई महंगाई

नई दिल्ली ।

कृषि श्रमिकों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण श्रमिकों (सीपीआई-आरएल) के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति दर सालाना आधार पर इस साल मई में घटकर क्रमशः 2.84 प्रतिशत और 2.97 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह क्रमशः 7 प्रतिशत और 7.02 प्रतिशत दर्ज की गई थी। यह जानकारी श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार उजागर की गई है। मासिक आधार पर भी मुद्रास्फीति दर में कमी दर्ज की गई है। इससे पहले अप्रैल में सीपीआई-एएल के लिए मुद्रास्फीति दर 3.48 प्रतिशत और सीपीआई-आरएल के लिए मुद्रास्फीति दर 3.53 प्रतिशत थी। पिछले सात महीनों में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए मुद्रास्फीति दर में लगातार गिरावट आ रही है। यह उन कमजोर वर्गों के लिए राहत की बात है, जो बढ़ती कीमतों से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इससे उनके पास अधिक पैसे बचते हैं, जिससे उनकी जीवनशैली बेहतर होती है। कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए मुद्रास्फीति में गिरावट देश की समग्र उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में पिछले वर्ष मई की तुलना में इस वर्ष मई में 2.82 प्रतिशत की गिरावट की पृष्ठभूमि में आई है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह फरवरी 2019 के बाद से खुदरा मुद्रास्फीति का सबसे निचला स्तर है।

दोपहिया वाहनों के लिए एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम होगा अनिवार्य

- जनवरी, 2026 से सभी नए निर्मित वाहनों पर होगा लागू

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार अगले साल जनवरी, 2026 से सभी नए निर्मित दो पे हिया वाहनों के लिए एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) अनिवार्य बनाने की ` तैयारी कर रही है। इनमें स्कूटर, मोटरसाइकिल और बाइक शामिल होंगे। इसके अलावा, मंत्रालय एक नियम लागू करने की तैयारी कर रहा है जिसके तहत सभी टू-व्हीलर निर्माताओं और डीलरशिप को हर नए वाहन के साथ भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा प्रमाणित दो हेलमेट उपलब्ध कराने होंगे। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि ये पहल भारत में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को कम करने में महत्वपूर्ण होंगी। एक खबर के अनुसार दो पे हिया वाहन चालकों की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में लगभग 44 फीसदी हिस्सेदारी है। इनमें से अधिकांश मौतें सिर की सुरक्षा के अभाव में लगने वाली गंभीर चोटों से जुड़ी हैं। परिवहन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, फिलहाल एबीएस केवल 125 सीसी से ऊपर की बाइक पर अनिवार्य है। यह देखते हुए कि इनमें से अधिकांश वाहन 70 किमी/घंटा से अधिक की गति से यात्रा कर सकते हैं, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि स्किडिंग और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बेहतर ब्रेकिंग सिस्टम मौजूद हों। एबीएस को आपातकालीन ब्रेकिंग स्थितियों के दौरान व्हील लॉक-अप को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है। खासकर गीली या असमान सड़कों पर इसका महत्व काफी बढ़ जाता है।

दिल्ली में 1 जुलाई से नया फ्यूल नियम लागू होगा

- 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को नहीं मिलेगा ईंधन

नई दिल्ली ।

दिल्ली में 1 जुलाई से 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को पेट्रोल पंप से फ्यूल नहीं मिलेगा। यह नियम अब पूरे देश में रजिस्टर्ड पुराने वाहनों पर लागू होगा, भले ही वे किसी भी राज्य से पंजीकृत हों। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 21 जून को इसकी पुष्टि की। यह कदम उन लोगों के लिए बड़ा झटका है जो दिल्ली में नियमों से बचने के लिए अपने पुराने वाहनों को दूसरे राज्यों में रजिस्टर करवा रहे थे। योग ने अप्रैल में ही यह निर्देश जारी किया था कि 1 जुलाई से ऐसे ओवरएज वाहनों को ईंधन न दिया जाए। सीएक्यूएम के एक तकनीकी सदस्य ने कहा` कि हमारे दिशा-निर्देशों में ऐसा नहीं है कि सिर्फ दिल्ली में रजिस्टर्ड एंड ऑफ लाइफ (ईओएल) वाहनों को ही ईंधन नहीं मिलेगा। दिल्ली की सड़कों पर बाहर के राज्यों से पंजीकृत वाहन भी चलते हैं और ये भी प्रदूषण फैलाते हैं। पिछले साल हुए एक सर्वे में सामने आया था कि दिल्ली-एनसीआर के 75 फीसदी परिवारों में कम से कम एक सदस्य को लगातार खांसी या गले में खराश की शिकायत रहती है। वहीं आधे परिवारों ने बताया कि उनके किसी न किसी सदस्य को दम घुटने या अस्थमा जैसी दिक्कतें हो रही हैं, जिसकी बड़ी वजह जहरीली हवा है। दिल्ली में अब पेट्रोल पंपों पर लगे कैमरे पुराने और नियम तोड़ने वाले वाहनों की पहचान करेंगे। राजधानी के 520 में से 500 फ्यूल स्टेशनों पर ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे लगाए जा चुके हैं। बाकी बचे हुए पंपों पर यह व्यवस्था 30 जून तक पूरी कर दी जाएगी। दिल्ली से सटे पांच जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाज़ियाबाद, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) और सोनीपत में 1 नवंबर से ईंधन बिक्री पर रोक लागू कर दी जाएगी। इन जिलों में 31 अक्टूबर तक एएनपीआर कैमरे लगाए जाने की तैयारी है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बाकी जिलों में यह नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। तब तक वहां भी एएनपीआर कैमरे लगाना जरूरी होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लीड्स में ऋषभ पंत का पंच, धोनी का रिकॉर्ड किया ध्वस्त इंग्लैंड में रचा इतिहास

लंदन (एजेंसी)। लीड्स - इंग्लैंड के लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों का जलवा लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। पहले दिन यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल ने बेहतरीन शतक लगाकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। वहीं, दूसरे दिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ऐतिहासिक शतक जड़ा।

पंत ने दूसरे दिन के पहले ही सत्र में 146 गेंदों पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। यह तीसरी बार है जब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में छक्के से शतक पूरा किया है। दिलचस्प बात यह है कि तीनों बार उन्होंने इंग्लैंड के ही स्पिन गेंदबाजों–आदिल राशिद, जो रूट और शोएब बशीर की गेंद पर यह कारनामा किया है। यह पंत का टेस्ट करियर का सातवां शतक है।

तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड

इस शतक के साथ ऋषभ पंत ने महेंद्र सिंह धोनी का 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पंत अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए हैं। धोनी ने अपने करियर में 90 टेस्ट मैचों में 6 शतक लगाए थे, जबकि पंत ने सिर्फ 44 टेस्ट मैचों में ही 7 शतक पूरे कर लिए हैं।

यह पंत का इंग्लैंड की सरज़मीं पर तीसरा टेस्ट शतक है और स्थ्रद्ध देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में कुल मिलाकर उनका पांचवां शतक है। इससे साफ जाहिर होता है कि विदेशी पिचों पर उनका बल्ला खूब बोलता है।

टेस्ट क्रिकेट को अब भी पहली प्राथमिकता देते हैं स्मिथ

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ का कहना है कि वह टेस्ट क्रिकेट को अब भी सबसे पहली प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप (डबल्यूटीसी) शुरु होने के बाद ये रोमांच और बढ़ा है। अब वह घर पर इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज खेलने को लेकर उत्साहित हैं। साथ ही कहा कि मुझे लगता है कि मैं अब भी उस स्तर पर काफी कुछ योगदान दे सकता हूं। इस बल्लेबाज ने अबतक 116 टेस्ट मैचों में 56.74 की औसत से 10271 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 36 शतक और 41 अर्धशतक बनाये हैं। स्मिथ अब रिकी पोंटिंग के 13378 रनों से आगे निकलना चाहेंगे। इसके अलावा उनकी नजरें सचिन तेंदुलकर के 51 टेस्ट शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने पर भी होंगी। स्मिथ ने अपने करियर की शुरुआत एक लेग स्पिनर के रूप में की थी। स्मिथ ने जुलाई 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर अपना टेस्ट डेब्यू करते हुए आठवें नंबर पर बल्लेबाजी की थी पर पांच साल बाद ही वह ऑस्ट्रेलिया के कप्तान बन गये। इसके अलावा वह दुनिया के नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज भी बन गये। उनका करियर विवादों में भी रहा है। मार्च 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़खानी विवाद के कारण स्मिथ को एक साल के लिए प्रतिबंधि कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें कप्तानी से भी बाहर कर दिया गया था।

इस क्रिकेटर का भारतीय टीम के खिलाफ भी काफी अच्छा रिकार्ड रहा है। वह भारतीय गेंदबाजों के लिए हमेशा ही परेशानी साबित हुए हैं। स्मिथ का रिकार्ड भारतीय टीम के के खिलाफ काफी अच्छा रहा है। 2015 एकदिवसीय विश्वकप की बात करें या 2023 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल सहित कई मैचों में स्मिथ के कारण ही भारतीय टीम जीत हासिल नहीं कर पायी। डब्लयूटीसी फाइनल 2023 में स्मिथ ने 121 रन बनाए थे।

जायसवाल और गिल की शानदार पारी से मिल रहे अच्छे संकेत

–पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने की भारतीय बल्लेबाजों की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भारतीय बल्लेबाजों की सराहना की, खासकर कप्तान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल की जिन्होंने शतक लगाकर इंग्लैंड के हेडिंग्ले टेस्ट के पहले दिन के अंत में भारत को 359/3 तक पहुंचाया। जायसवाल और गिल ने शानदार शतक लगाकर विराट कोहली-रोहित शर्मा के बाद के युग में बल्लेबाजी को संभालने की तैयारी का ऐलान कर दिया है। गिल और जायसवाल ने तीसरे विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत 92/2 से 221 तक पहुंच गया।

गांगुली ने शुक्रवार रात ट्वीट करते हुए लिखा- आज भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा था? सीरीज के पहले दिन शुभमन गिल की टेस्ट मैच बल्लेबाजी में विदेशी परिस्थितियों में बहुत सुधार हुआ है। फिर से शानदार एक गुणवत्ता वाली टीम दिखी। एक लंबी सीरीज का इंतजार है। जायसवाल ने 144 गेंदों में अपने करियर का पांचवां शतक पूरा किया, जबकि गिल ने 140 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, लेकिन दोनों ने यह मुकाम अलग-अलग तरीके से हासिल किया। जायसवाल ने अपनी स्वाभाविक शैली को छोड़ दिया, क्योंकि पहले सत्र में अंग्रेजी गेंदबाजों को मूवमेंट और कैरी का फायदा मिला। गिल और जायसवाल ने तीसरे विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत 92/2 से 221 तक पहुंचा दिया, जब केएल राहुल और डेब्यूटेंट साई सुदर्शन जल्दी आउट हो गए थे।

ऋषभ पंत खेल समाप्ति तक गिल के साथ क्रीज पर जमे थे, लेकिन जायसवाल और गिल के शतकों का महत्व सिर्फ पहले दिन की बढ़त देने तक सीमित नहीं था। यह भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप अनुभव में थोड़ी कमजोर है, क्योंकि हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने संन्यास ले लिया है। जायसवाल और गिल टेस्ट क्रिकेट में नए नहीं हैं, लेकिन अगर जायसवाल और गिल की आज की पारी को देखा जाए तो संकेत काफी उज्ज्वल नजर आ रहे हैं।

बल्लेबाजी करने में आया मजा, अच्छी तैयारी की थी जड़ा शतक

यशस्वी ने कहा- पहला दिन बढ़िया रहा, गिल संयमित और शांत होकर खेले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (101 रन) ने शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के पहले दिन शतक जड़ने के बाद कहा कि उन्होंने इस पारी का पूरा लुत्फ उठाया। कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 127 रन) और जायसवाल के शानदार शतकों की मदद से भारत ने पहले दिन तीन विकेट खोकर 359 रन बना लिए हैं। उप कप्तान ऋषभ पंत 65 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

जायसवाल ने कहा कि पहला दिन बहुत बढ़िया रहा। सभी ने बहुत अच्छा खेला। इंग्लैंड की परिस्थितियों में क्रीज पर जाकर बल्लेबाजी करने में आनंद आया। मैंने बहुत अच्छी तरह से तैयारी की थी। हाल के दिनों में बहुत अच्छे अभ्यास सत्र थे हमनें कई मैच खेले। इसलिए यह पारी सरल तरीके से खेली। उन्होंने कहा कि गिल ने शानदार प्रदर्शन किया। वह संयमित और शांत रहे। उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की। गिल ने 56 गेंद में अपना आठवां अर्धशतक लगाया। यह भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में गिल का पहला अर्धशतक है। भारत ने दूसरे सत्र में एक भी विकेट नहीं गंवाया। लंच से पहले केएल राहुल (42 रन) और इस मैच से डेब्यू करने वाले बी साई सुदर्शन के विकेट गिरे। सुदर्शन खाता भी नहीं खोल सके। जायसवाल ने संयमित होकर बल्लेबाजी की, विशेषकर ऑफ स्टंप के बाहर जबकि वह सामान्यतः गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। हाल में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए खेलते बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने जो गलतियां की थीं, उन्हें इस पारी में नहीं दोहराया।

पहले गेंदबाजी चुनने को लेकर इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स पर भड़के वॉन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेन स्टोक्स ने हेडिंग्ले में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पूर्व इंग्लैंड कप्तान माइकल वॉन बेन स्टोक्स के भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में पहले गेंदबाजी करने के फैसले से 'हैरान' थे। वॉन का मानना था कि सूखी पिच और धूप में पहले बल्लेबाजी करना 'आसान' था, लेकिन स्टोक्स ने आंकड़ों और इतिहास को ज्यादा महत्व दिया और गेंदबाजी का फैसला किया।

वॉन ने कहा कि मैं थोड़ा पुरानी सोच का हूं, खासकर लीड्स में जब धूप होती है, तो यह एक आसान फैसला होता है, खासकर टेस्ट मैच की तैयारी और पिच की स्थिति को देखते हुए। मैं हैरान थाज्जब मैंने सुना कि वह पहले गेंदबाजी करने जा रहे हैं। मैंने सोचा कि ट्रेंड को खत्म कर दिया गया है। इंग्लैंड ने हाल के समय में यहां लक्ष्य का पीछा करते हुए कई बार जीत हासिल की है, लेकिन आपको हमेशा उस समय के हिसाब से फैसला लेना होता है।

वॉन ने कहा कि स्टोक्स की भावना इस बार काम नहीं आई। आप इंग्लैंड की टीम की ताकत देखें, तो वह वास्तव में बल्लेबाजी में है। बेन के पास एक आंतरिक भावना थी, मुझे लगता है और हाल के समय में यह काम किया है। बता दें इंग्लैंड के पास स्टोक्स के दो विकेट और ब्राइडन कार्स ने एक विकेट लिया। ये तीनों भारतीय बल्लेबाजों की गलतियों के कारण मिले। टॉस के समय स्टोक्स ने कहा कि वह शुरुआती परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहते थे, जबकि टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने भी कहा कि वह पहले गेंदबाजी करना पसंद करते हैं, लेकिन पिच जल्दी ही स्थिर हो गई और बल्लेबाजों ने इसका पूरा फायदा उठाया। गिल 127 (175) पर नाबाद, जबकि ऋषभ पंत (65 रन, 102 गेंद) के साथ नाबाद क्रीज पर हैं।

पीसीआई ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए कंगना को बनाया ब्रांड एबेसडर

नई दिल्ली। देश में इसी साल 26 सितंबर से पांच अक्टूबर तक विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। इसमें 100 से अधिक देशों के एथलीट शामिल होंगे। इस चैंपियनशिप के लिए अभिनेत्री कंगना रनौत को ब्रांड एबेसडर नियुक्त किया गया है।' वहीं इससे उत्साहित कंगना ने भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई)का धन्यवाद देते हुए कहा, ''भारत के पैरा एथलीट हर दिन क्या संभव है, इसे फिर से लिख रहे हैं। मैं उनका समर्थन करने और उनकी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करने के लिए बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। पैरा खेल केवल प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं है बल्कि यह साहस और जुनून के बारे में हैं और मुझे हमारे चैंपियन खिलाड़ियों के पीछे खड़े होने पर गर्व है।'' वहीं पीसीआई के अध्यक्ष और पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण विजेता रहे देवेंद्र झझारिया ने कंगना को चैंपियनशिप के लिए ब्रांड एबेसडर बनाये जाने पर कहा कि खिलाड़ियों के प्रति उनका जुनून, प्रभाव और प्रतिबद्धता उन्हें इस सम्मान के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है।

विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनेंगे जेनसन : पोंटिंग

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका भविष्य उज्जवल है। पोंटिंग के अनुसार आने वाले समय में जेनसन विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनकर उभरेंगे। पोंटिंग ने आईपीएल में जेनसन को कोचिंग देने के दौरान उनके कौशल को देखा था। पोंटिंग ने कहा किजेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक है जिसका लाभ भी उन्हें मिलता है। इसके साथ ही उनके काफी प्रतिभा भी है। उन्हें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में कगिसो रबाडा के साथ मिलकर एक बेहतरीन तेज गेंदबाजी जोड़ी बनाई, जिसने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले ही दिन ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को धवस्त कर दिया था। रबाडा के कारण हालांकि लोगों का ध्यान जेनसन की गेंदबाजी की ओर नहीं गया पर ये भी ध्यान रखना चाहिये कि उनकी गेंदबाजी से जो दबाव बना था उससे ही रबाडा को विकट लेने में आसानी हुई। बाएं हाथ के जेनसन ने मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड जैसे स्टार बल्लेबाजों को आउट किया था। फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगने के बाद भी जिस प्रकार वह गेंदबाजी के लिए वापस आये उससे भी उनके अंदर का जुनून दिखता है। वह अनुभवी बल्लेबाजों के खिलाफ भी निडर होकर गेंदबाज करते करते दिखे। दक्षिण अफ्रीकी टीम की जीत में उनकी भूमिका को कम आंकना भूल होगी।

सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे टेनिस खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम से खेलने को प्राथमिकता दें : साई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार से वित्तीय मदद लेने वाले टेनिस खिलाड़ियों को अब राष्ट्रीय टीम से खेलने से इंकार करना महंगा पड़ सकता है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने का है कि कई योजनाओं के जरिए वित्तीय सहायता हासिल करने वाले टेनिस खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम से खेलने को प्राथमिकत देनी होगी। वहीं अगर वे बिना किसी कारण के खेलने से इंकार करते हैं तो उनपर कार्रवाई होगी और उनसे धनराशि वसूली जाएगी। साई ने टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (टीएजीजी) के तहत मदद के लिए चयनित किये गए खिलाड़ियों को लिखित में देने को कहा है कि वित्तीय सहायता प्राप्त करने के बाद राष्ट्रीय टीम की ओर से बेतर प्रदर्शन के प्रयास करना भी उनकी जिम्मेदारी है।

ये मामला तब सामने आया जब टीएजीजी में शामिल करने के लिए खिलाड़ियों के नामों पर चर्चा की गई। साई ने अपने आदेश में टॉप्स, एनएसएफ और टीएजीजी योजनाओं के अंतर्गत मदद हासिल करने वाले खिलाड़ियों से कहा कि वे डेविस कप, बिली जीन किंग कप, एशियाई खेल और ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध रहें।

साइ के आदेश के अनुसार वित्तीय सहायत हासिल करने वाले सभी खिलाड़ियों को अगर अखिल भारतीय टेनिस महासंघ द्वारा चुना जाता है तो वे देश की ओर से खेलने को पहली प्राथमिकता दें। साथ ही कहा कि अगर वे बिना किसी वैध कारण के इन टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला करते हैं तो उनको दी गयी वित्तीय सहायता वापसी ली जा सकती है।

गौरतलब है कि टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम की तरह ही एशियाई खेलों में भारत के पदकों को बढ़ाने के लिए टीएजीजी को इस साल शुरु किया गया है। वहीं पिछले कुछ समया में कई खिलाड़ियों ने सरकारी सहायता लेने के बाद भी डेविस कप सहत कुछ अन्य मुकाबलों में भाग लेने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद से ही साइ इस मामले को लेकर गंभीर हो गया है।

भूटिया के आरोप निराधार, एआईएफएफ की छवि को कर रहे खराब : चौबे

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया और ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे के बीच तनाव और बढ़ गया है। इस तनाव के बीच भूटिया को कल्याण ने एआईएफएफ की 2 जुलाई को होने वाली बैठक में आमंत्रित किया है। भूटिया को 2022 में एआईएफएफ के अध्यक्ष के चुनाव में कल्याण चौबे ने हरा दिया था। इसके बाद भूटिया उनके आलोचक रहे हैं। हाल के दिनों भारतीय फुटबॉल टीम का प्रदर्शन खराब रहा है, जिसके बाद वह और ज्यादा आक्रामक हो गए। कल्याण चौबे ने कहा कि हम दो नारों में विश्वास करते हैं– पहला फुटबॉल दुनिया को एकजुट करता है और दूसरा भारतीय फुटबॉल एक साथ आगे बढ़ें। ये नारे हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि एक साथ काम करके हम भारतीय फुटबॉल को और ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।। उन्होंने कहा कि हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जहां हर नागरिकों को बोलने की स्वतंत्रता का संवैधानिक अधिकार है। एआईएफएफ कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में बाइचुंग भूटिया के पास अपने विचार व्यक्त करने, चिंताओं को उठाने और कई एआईएफएफ कार्यकारी समिति की बैठकों में भारतीय फुटबॉल के विकास और प्रदर्शन की दिशा में रचनात्मक योगदान देने के लिए एक उपयुक्त और सशक्त मंच तक पहुंच है। उन्हें 2 जुलाई की बैठक में बुलाया गया है। चौबे ने कहा कि यह देखा गया है कि सितंबर 2022 के चुनावों में हार के बाद से भूटिया ने जानबूझकर एआईएफएफ पर निराधार आरोप लगाए हैं और महासंघ की विकृत छवि पेश की है। चौबे ने कहा कि इस तरह की हरकतें न केवल महासंघ की प्रतिष्ठा को धूमिल करती हैं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारतीय फुटबॉल पर नकारात्मक रौशनी भी डालती हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय फुटबॉल की विकास और बेहतरी के लिए एआईएफएफ हमेशा भूटिया के रचनात्मक सुझावों का स्वागत करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ज्यादातर कार्यकारी समिति की बैठकों में उनका योगदान मुख्य रूप से ठोस प्रस्ताव पेश करने की बजाय पूरे बोर्ड द्वारा सामूहिक रूप से लिए गए फैसलों का विरोध करने पर केंद्रित है। चौबे ने 13 जून को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बाइचुंग भूटिया द्वारा संचालित वाणिज्यिक फुटबॉल अकादमियों की सीरीज की आलोचना की थी और फुटबॉल स्कूलों पर परिवारों की भावनाओं से खेलकर अनुचित लाभ उठाने का आरोप लगाया था। चौबे द्वारा लगाए आरोपों का भूटिया ने जवाब देते हुए कहा था कि एआईएफएफ एक सर्कस में बदल गया है और कल्याण चौबे जोकर की तरह काम कर रहे हैं।

चोपड़ा ने वेबर को हराकर दो साल में पहला डायमंड लीग खिताब जीता

मुम्बई (एजेंसी)। ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा ने यहां 90 मीटर की दूरी पार किए बिना ही जर्मनी के अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर को हराकर दो साल में अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता।

शुक्रवार देर रात संपन्न प्रतियोगिता में 27 वर्षीय चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 88.16 मीटर की दूरी तय करके खिताब जीता। इस प्रतियोगिता में कई स्टार खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिसने पांच ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो 90 मीटर की दूरी तय कर चुके हैं। चोपड़ा का दूसरा थ्रो 85.10 मीटर का था और इसके बाद उन्होंने अपने अगले तीन प्रयासों में फाउल किया।उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 82.89 मीटर का थ्रो किया। वेबर 87.88 मीटर के अपने शुरुआती प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ब्राजील के लुईज़ मौरिसियो दा सिल्वा ने 86.62 मीटर के अपने तीसरे प्रयास के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। लगातार दो ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा ने बाद में प्रसारणकर्ता से कहा, ''मैं अपने थ्रो से खुश हूं। आज मेरा रन अप बहुत तेज था। मैं अपनी गति पर नियंत्रण नहीं रख सकता, लेकिन मैं परिणाम और पहले स्थान पर रहकर खुश हूं।'' चोपड़ा ने डायमंड लीग में अपना आखिरी खिताब जून 2023 में लुसाने में 87.66 मीटर के थ्रो के साथ जीता था। उसके बाद वह डायमंड लीग कीछह प्रतियोगिताओं में दूसरे स्थान पर रहे थे। हरियाणा के इस स्टार खिलाड़ी ने डायमंड लीग के पेरिस चरण में पहली बार जीत हासिल की। उन्होंने आखिरी बार 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के रूप में पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे।

करुण नायर की वापसी बनी निराशा की कहानी, आठ साल बाद भी खाता नहीं खोल पाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। करुण नायर की टेस्ट क्रिकेट में आठ साल बाद वापसी उस वक्त एक कड़वा सपना बनकर रह गई जब वह लीड्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के खिलाफ चौथी ही गेंद पर शून्य पर आउट हो गए। 33 वर्षीय करुण नायर ने अपना पिछला टेस्ट मैच दिसंबर 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था, जब उन्होंने नाबाद 303 रन बनाकर तहलका मचा दिया था। लेकिन इस बार मैदान पर कहानी बिलकुल उलट रही।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की बाहर जाती फुल लेंथ गेंद पर नायर ने कवर ड्राइव खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके बल्ले के अनुरूप नहीं बैठी। ओली पोप ने बाईं ओर हवा में डाइव लगाते हुए दोनों हाथों से शानदार कैच लपक लिया। यह कैच न सिर्फ तकनीकी रूप से उम्दा था बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी करुण नायर के लिए झटका साबित हुआ। वहीं इसी मैच में डेब्यू कर रहे साई सुदर्शन भी सिर्फ चार गेंदें खेलकर बिना खाता खोले आउट हुए और उन्हें भी पवेलियन भेजने वाले गेंदबाज बेन स्टोक्स ही थे।

करुण नायर के चयन की कहानी भी खास रही। रणजी ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में विदर्भ के लिए उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया और भारत ए की ओर से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट मैचों में भी नंबर तीन और चार पर बल्लेबाजी की थी। इसके बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया। हालांकि हेडिंग्ले टेस्ट में उन्हें नंबर छह पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, जहां वह अपनी जगह पक्की नहीं कर सके।

करुण नायर ने अपने टेस्ट करियर में अब तक सात मैच खेले हैं और वह नाबाद तिहरा शतक बनाने वाले कुछ चुनिंदा भारतीय बल्लेबाजों में शामिल हैं। लेकिन आठ साल बाद मैदान पर लौटने की उनकी उम्मीदें केवल चार गेंदों में ही दम तोड़ गईं। खास बात यह भी रही कि टेस्ट टीम से बाहर रहने के दौरान करुण नायर ने कुल 402 टेस्ट मिस किए, जो भारतीय मेंस टीम के लिए एक खिलाड़ी द्वारा मिस किए गए टेस्टों की सबसे बड़ी संख्या है। अब देखना होगा कि क्या टीम मैनेजमेंट उन्हें अगला मौका देता है या यह वापसी उनके करियर का अंतिम अध्याय बन जाएगी।

पीमियर लीग फुटबॉल सत्र 15 अगस्त से शुरु होगा

लंदन। पीमियर लीग फुटबॉल का 2025–26 सत्र 15 अगस्त से शुरु होगा। प्रीमियर लीग प्रबंधन ने इसकी घोषिणा करते हुए कहा है कि पहले मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन लिवरपूल का मुकाबला एनफील्ड में बोर्नमाउथ से होगा। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड को ओल्ड ट्रैफर्ड में आर्सेनल का सामना करना होगा। एक अन्य मुकाबले में बोर्नमाउथ के खिलाफ़ शुरूआत के बाद लिवरपूल अपने खिताब को बचाने के प्रयास करेगा। वहीं दूसरे सप्ताह में न्यूकैसल से मुकाबले के बाद आर्सेनल के खिलाफ़ उसका एक घरेलू मुकाबला होगा। वहीं आर्सेनल को अपने पहले छह मैचों में मैनचेस्टर यूनाइटेड, लिवरपूल, मैनचेस्टर सिटी और न्यूकैसल से खेलना होगा। दूसरी ओर अपने सातवें लीग खिताब के लिए उतरने वाली मैनचेस्टर सिटी 16 अगस्त को अपने पहले मैच में वॉल्व्स के खिलाफ़ उतरेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

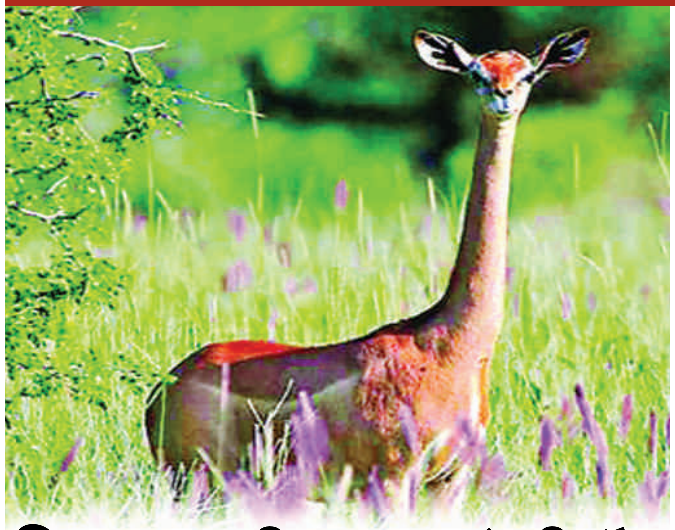

जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।

बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूडू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और मानव जीवन में काफी समानताएं हैं। मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके बारे में काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा पक्षी जिसके माथे पर चटक लाल रंग की कलगी और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मिस्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और मादा मुर्गे को दिखाया गया है।

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा नहीं रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है। यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें कि जेलीफिश की तरह दिखने वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के लिए माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने इस अद्भुत और रहस्यमय परजीवी की खोज की है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। ये परजीवी साल्मन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब तक कि मछली जिंदा रहती है। इस जीव का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया साल्मिनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें उन्हें माइटोकॉन्ड्रिंयल डीएनए नहीं दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर माइटोकॉन्ड्रिंयल डीएनए नहीं दिखा था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।

समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है.यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है.कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं.समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है.यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है.पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है.इन तटीय शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टटी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम कोई पूर्वानुमान नहीं बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं.यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है.शोध में सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की वजह से धरती के एक बड़े हिस्से से भूजल गायब होता जा रहा.तटीय इलाकों में मानवीय गतिविधि की वजह से समुद्र से सटे इलाकों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं.पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

(बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन डूबने का कारण बन सकती हैं. उन स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं, ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी से कम करने का कारण बनती है, जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है.20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के तटीय जमीन छह से 10 फीट तक पानी में डूब गए.सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 33 मिलीमीटर (एक इंच के लगभग आठवें हिस्से) हो रही है. शोधकर्ता निकोलस और उनके सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से 2015 के बीच लगभग 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष (0.1 इंच) की तुलना में थोड़े कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है.लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग रहते हैं.इसी अवधि में, पृथ्वी के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 78 से 9 मिलीमीटर सालाना (लगभग आधा इंच) की वृद्धि देखी है. शोध के मुताबिक यह इस तथ्य को दर्शाता है कि तटीय निवासी तेजी से डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित हैं जिसमें डूबते हुए डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं.समस्या विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ़ के मैदानों में रहते थे.तटीय इलाकों में रहने वाली लोगों की वैश्विक संख्या के 75 फीसदी लोग इन इलाकों में रहते हैं.ऐसे लोग नदी की बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि दोनों के खतरों का सामना कर रहे हैं.

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका

अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स

द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के बेहद नजदीक हैं। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि ये शहर भी डूब जाएंगे। इतना ही नहीं कोई भी डैम, बैरियर, फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

बसरा, इराक

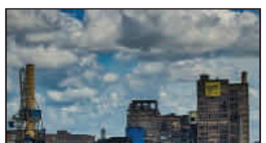

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई सारी नहरों और बैक वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री जलस्तर बढ़ता है तो इस शहर को खतरा है। बाढ़ आई तो इस शहर में काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। सिर्फ यही नहीं ये नक्शे से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली

इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस शहर में दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा है। अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 तक ये शहर पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम

वियतनाम के पूर्वी इलाके में बसे इस शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस शहर को सबसे बड़ा खतरा मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस डेल्टा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि हो ची मिन्ह सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चीटियां

चीटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चीटियां अपने धुन की पक्की होती है और चीटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चीटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चीटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चीटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चीटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

दरअसल कुछ ऐसी चीटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्रूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चीटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चीटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चीटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चीटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चीटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चीटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चीटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चींटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है। धमाका करने वाली चींटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पश्चात इनके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चींटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चींटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चींटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से रह रहे थे। एक दिन उस घने और भयानक जंगल में एक हाथी आ पहुंचा। देखने में पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान। जब वह चलता, तो सारे जानवर उसे छिपकर देखते थे। उसके चिंघाड़ने से जंगल में भगदड़ मच जाती थी। बड़े जानवर छिप जाते और छोटे जानवर अपनी मांदों में दुबक जाते। जंगल के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वह तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए प्यार से आवाज लगाता था, पर होता उलटा ही था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें कौन सी बुरी आदत है? वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम रहा था। जब वह जंगल के एक पुराने बरगद के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था, बचाओ-बचाओ! हाथी ने सिर उठाकर देखा, एक नन्हा सा चूहा पेड़ की टहनियों में उलझा चिल्ला रहा था। हाथी बोला, घबराओ नहीं, मैं अभी तुम्हें बचाता हूं। हाथी को देखकर पहले तो चूहा कुछ डरा। लेकिन मरता क्या न करता! चूहा डर भूल गया और हाथी को डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठा दी और चूहा उस पर बैठकर नीचे उतर आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग गया। उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे हाथी ने तो सोचा था कि चूहा ही उसका दोस्त बनेगा, पर वह भी भाग गया। अब हाथी को विश्वास हो गया कि उसका कोई भी दोस्त नहीं बन सकता। यह सोचकर वह रोने लगा।

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों का मधुर गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा गाना उसने इस जंगल में पहले कभी नहीं सुना था। देखते ही देखते जंगल के सारे जानवर हाथी के चारों तरफ एक घेरा बनाकर नाचने-गाने लगे। कोई सीटी बजा रहा था, तो बंदर ढोल पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज में गा रहा था। हाथी को यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। हाथी ने हैरानी से देखा, झुंड में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे हाथी ने बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुमने मुझे बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। शरीर से चाहे कितने ही बड़े हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।

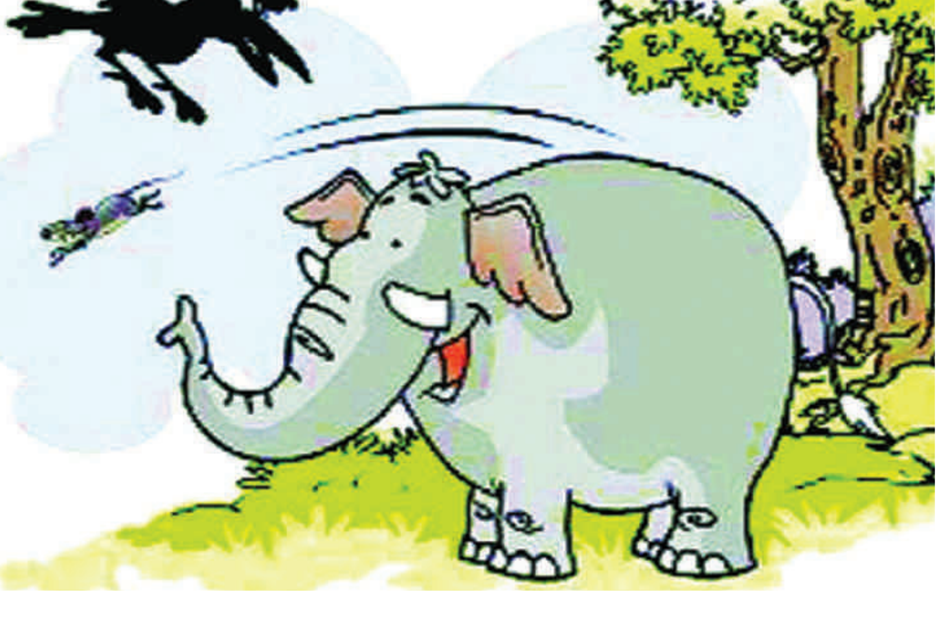

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान प्यासा ही रहेगा, कभी बहाल नहीं होगी सिंधु जल संधि: शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि कभी बहाल नहीं होगी क्योंकि पड़ोसी देश ने समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया है और इस्लामाबाद को वह पानी नहीं मिलेगा, जो उसे अनुचित तरीके से मिल रहा था। पाकिस्तान प्यासा रह जाएगा। एक इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा, 'नहीं, यह कभी बहाल नहीं होगी। अंतरराष्ट्रीय संधियों को एकतरफा रद्द नहीं किया जा सकता, लेकिन हमें इसे निलंबित करने का अधिकार था, जो हमने किया है। संधि की प्रस्तावना में उल्लेख है कि यह दोनों देशों की शांति और प्रगति के लिए थी, लेकिन एक बार जब इसका उल्लंघन हो गया, तो बचाने के लिए कुछ नहीं बचा।

शाह ने आगे कहा, हम उस पानी का उपयोग करेंगे जो सही मायने में भारत का है। हम उस पानी को एक नहर बनाकर राजस्थान तक ले जाएंगे जो पाकिस्तान को जा रहा था। पाकिस्तान को वह पानी नहीं मिलेगा जो वह अनुचित रूप से प्राप्त कर रहा था। शाह ने कहा, हम पाकिस्तान की ओर से किए गए किसी भी हिमाकत के खिलाफ बिना किसी देरी के कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे।' उन्होंने कहा कि पर्यटकों ने कश्मीर की यात्रा फिर से शुरू कर दी है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान ने भारत में नागरिक स्थानों पर हमला किया, लेकिन भारत ने उनके हवाई अड्डों को नुकसान पहुंचाकर करारा जवाब दिया, जिससे पाक को घुटने टेकने पड़े और सीजफायर की गुहार लगानी पड़ी।

उन्होंने कांग्रेस पर ऑपरेशन सिंदूर की लगातार आलोचना करने का भी आरोप लगाया और कहा, मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं, उनके समय में क्या होता था? कांग्रेस हमें आतंकवाद के मुद्दे पर कैसे सवाल कर सकती है? वह कुछ नहीं करती थी सिवाय एक मंत्री बदलने के। सभी राजनीतिक दलों में कांग्रेस को निश्चित रूप से हमें आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है।

दरअसल, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। उस पहलगाम अटैक में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच दुश्मनी और बढ़ गई। इसका नतीजा हुआ कि भारत ने सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इतना ही नहीं, भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों को निष्कासित करने जैसे कई कूटनीतिक निर्णय लिए। पहलगाम अटैक की निंदा करते हुए अमति शाह ने इसे 'कश्मीर में शांति को बाधित करने, बढ़ते पर्यटन को रोकने और कश्मीरी युवाओं का ध्यान भटकाने का जानबूझकर किया गया प्रयास' कहा। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी ने पहले कभी भारत के साथ इतनी एकजुटता नहीं दिखाई थी। ऑपरेशन सिंदूर के मकसद पर अमित शाह ने कहा, 'पीएम के सार्वजनिक घोषणा के अनुसार पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को सजा देने के लिए हमने आतंकवादी लॉन्चपैड पर सीमित हमले किए और यह बहुत स्पष्ट कर दिया कि यह एक लक्षित हमला था। पाकिस्तान ने आतंकवादियों पर हमारे हमले को अपनी क्षेत्रीयता पर हमला माना, जिससे अंतर समाप्त हो गया।

उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पर कसा तंज कहा- हारते हैं तो ईवीएम को दोष देते हैं

नई दिल्ली। कहने को जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला इंडिया गठबंधन में शामिल हैं लेकिन कांग्रेस के कान उमेठने में पीछे नहीं रहते। उन्होंने कहा है कि अगर आप चुनाव जीत नहीं पा रहे हैं तो बहाने मत बनाइए। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस से जो भी बातें आप सुनते हैं, वह कांग्रेस का खुद का मत है। जम्मू कश्मीर के सीएम ने कहा कि मैं इन बातों को साझा नहीं करता। एक इंटरव्यू में अब्दुल्ला ने कहा कि इसका कारण बहुत स्पष्ट है। अगर मैं किसी चीज में सफल नहीं हो रहा हूं तो इसको लेकर बहाने नहीं बनाता हूं। यदि मुझे चुनावी परिणामों के साथ कोई समस्या है, तो मुझे यह तब भी होनी चाहिए जब मैंने जीत हासिल की हो। पिछले विधानसभा चुनाव में मेरी पार्टी ने उम्मीद से बेहतर किया। किसी ने उम्मीद नहीं की थी कि हमें इतनी ज्यादा सीटें मिल जाएंगी। बता दें कि चुनाव में हार के बाद कांग्रेस पार्टी अक्सर ईवीएम और इलेक्शन कमीशन पर उंगली उठाती रही है। इसको लेकर जम्मू उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस पार्टी ने लगातार ईवीएम पर सवाल उठाए। पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में अनियमितता और पारदर्शिता के अभाव का आरोप भी लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने इंडिया गठबंधन पर भी सवाल उठाए। उमर अब्दुल्ला ने कहाकि गठबंधन के नेताओं ने 2024 के लोकसभा चुनावी नतीजों के बाद से एक बैठक तक नहीं की है। बता दें कि हाल ही में कांग्रेस नेताओं ने ईवीएम सिस्टम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया था। साथ ही फिर से बैलट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग रखी थी। पार्टी ने सर्वदलीय चर्चा की भी मांग उठाई थी, ताकि वोटरों का भरोसा जीता जा सके। अब्दुल्ला ने कहाकि अगर मुझे जीतने के बाद कोई शिकायत नहीं होती है तो हारने के बाद भी ऐसा ही होना चाहिए।

भारत ने फिर निभाया पड़ोसी धर्म, ईरान से नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को निकालकर लाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने घोषणा की कि वे दोनों पड़ोसी देशों के औपचारिक अनुरोधों के बाद ईरान में अपने निकासी प्रयासों का विस्तार करके नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को भी इसमें शामिल करेगा। यह कदम मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है। तेहरान में भारतीय दूतावास ने पोस्ट में कहा कि नेपाल और श्रीलंका की सरकारों के अनुरोध के जवाब में, ईरान में भारतीय दूतावास के निकासी प्रयासों में नेपाल और श्रीलंका के नागरिक भी शामिल हो रहे है। ईरान में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के कारण हाई रिस्क वाले क्षेत्रों में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए भारत ने ऑपरेशन सिंधु के तहत अपने निकासी अभियान शुरू किए हैं। शनिवार की सुबह, भारतीय नागरिकों को लेकर एक विशेष विमान तुर्कमेनिस्तान के अश्गाबात से दिल्ली पहुंचा। इसके बाद शुक्रवार देर रात एक और सफल निकासी हुई, जब तेहरान द्वारा अपना हवाई क्षेत्र फिर से खोलने के बाद 290 भारतीय छात्र – मुख्य रूप से जम्मू और कश्मीर के – ईरान के मशहद से सुरक्षित वापस लौटे।

सोनम रघुवंशी को लेकर वाराणसी के एक पंडित का दावा... समलैंगिक

इंदौर (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्याकांड में रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इस मामले में अब तक सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज कुशवाहा सहित 5 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस बीच एक नया और चौंकाने वाला दावा सामने आया है, इसमेकं सोनम के समलैंगिक (लेस्बियन) होने की बात सामने आई है। सूत्रों ने बताया कि राजा रघुवंशी के परिवार से जुड़े वाराणसी के एक पंडित ने सोनम की कुंडली की जांच के बाद कहा कि उसमें स्त्री दोष है, जो समलैंगिक झुकाव की ओर इशारा करता है। इस बारे में ज्योतिषाचार्य कहते हैं कि जन्मकुंडली में पंचम, अष्टम और द्वादश भाव व्यक्ति के प्रेम, रहस्यों और मनोविकारों से जुड़े होते हैं। पंचम भाव प्रेम और आकर्षण का भाव होता है, जबकि सप्तम भाव पति-पत्नी के रिश्ते को दिखाता है। चतुर्थ भाव मन और भावनाओं का प्रतीक है। जब किसी महिला की कुंडली में शुक्र और शनि कमजोर, पीड़ित या नीच स्थान में हों, तब उसमें स्त्री के प्रति आकर्षण की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। साथ ही शनि और चंद्रमा की विशेष युति काम-भाव की गड़बड़ी को जन्म देती है। शुक्र-मंगल या शुक्र-गुरु की विशिष्ट युति भी समलैंगिकता की ओर इशारा कर सकती है। ये सभी ग्रह यदि नपुंसक स्थिति में हों तब पुरुष में पुरुष के प्रति और स्त्री में स्त्री के प्रति आकर्षण पैदा हो सकता है। हालांकि, यह एक विवादित विषय है और इस पर किसी भी प्रकार का दावा करना और उस सच मान लेना उचित नहीं कहा जाता है।

मणिपुर में विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने मणिपुर में विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन एनएससीएन (निक्की-सुमी) के एक कैडर को जिरीबाम जिले के कमरांगा गांव से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि यह उग्रवादी राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर फिरौती के लिए अपहरण और जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था। पुलिस ने काकचिंग जिले के काकचिंग तुरेल वांगमा से प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन प्रीपैक (प्रो) और पीएलए के एक-एक उग्रवादी को तेंगनौपाल जिले में म्यांमा सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया।

जबरन वसूली के मामले में बीआरएस के विधायक कौशिक रेड्डी गिरफ्तार

वारंगल (एजेंसी)। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक पदी कौशिक रेड्डी को वारंगल पुलिस ने शनिवार तड़के जबरन वसूली के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हुजूराबाद से विधायक रेड्डी को यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय (आरजीआई) हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया और वारंगल ले जाया गया है। पुलिस ने बताया उन पर आरोप है कि कौशिक रेड्डी ने एक खदान मालिक को धमकाया और उससे 25 लाख रुपए लिए और 50 लाख रुपए और मांगे हैं। इस आरोप के आधार पर मामला दर्ज किया गया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कौशिक रेड्डी के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं क्योंकि उन्होंने सीएम ए रेवंत रेड्डी की अवैध गतिविधियों और मंत्रियों और सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं के भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर सवाल उठाए हैं। रामा राव ने विधायक की बिना शर्त रिहाई की मांग की है।

67 करोड की ठगी के आरोप में दो भारतीय छात्रों को सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की अदालत ने दो भारतीय छात्रों को 67 करोड रुपए की ठगी के मामले में 65 महीने और 8 साल की सजा सुनाई है। अमेरिकी डिपार्मेंट आफ जस्टिस के अनुसार धोखाधड़ी से मिली रकम का कुछ हिस्सा यह आरोपी स्वयं रखते थे। बाकी गिरोह के अन्य सदस्यों को दे देते थे। इन दोनों भारतीय छात्रों को बुजुर्ग अमेरिकी नागरिकों से ठगी करने के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई है। किशन राजेश कुमार पटेल को 22.5 करोड रुपए की मनी लांड्रिंग की साजिश के आरोप में 63 महीने की सजा दी गई है। वहीं मोइनुद्दीन मोहम्मद को एक अलग कैसे में 44 करोड रुपए की ठगी के मामले में 8 साल की सजा सुनाई गई है। दोनों छात्रों ने अमेरिका के अधिकारियों का नाम लेकर डर फैलाकर यह ठगी की थी। अमेरिका के बुजुर्गों से नगदी, गहने और सोना ठगा था।

वाराणसी से प्रधानमंत्री आवास योजना में 242 लाभार्थियों ने सब्सिडी का पैसा लिया लेकिन मकान नहीं बनाया

वाराणसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी से प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में घपले का मामला सामने आया है। दरअसल, योजना के 242 लाभार्थियों के सब्सिडी का पैसा लेकर बैठने की बात खुली है। ये लाभार्थी करीब 6 करोड़ रुपये की राशि दबाकर बैठे हैं। इन लाभार्थियों ने योजना मद में भुगतान कराया, लेकिन भवन निर्माण का डॉक्यूमेंट नगरीय विकास अभिकरण (डीयूडीए) को उपलब्ध नहीं कराया। इसके बाद विभाग की ओर से लाभार्थियों को नोटिस जारी किया। इस नोटिस का महीनों बीतने के बाद भी कोई जवाब नहीं आया। अब तहसील प्रशासन की मदद से विभाग ने अमीनों के जरिए वसूली की कार्रवाई शुरू की है।

वाराणसी में प्रधानमंत्री आवास योजना के पहले चरण में 40 हजार आवास का आवंटन हुआ। इन आवासों का निर्माण 5 लाख रुपये की लागत से होना है। इसमें से आधी राशि यानी ढाई लाख रुपये सरकार की ओर से सब्सिडी के तौर पर मिलती है। वहीं, बचे ढाई लाख रुपये लाभुकों को लगाकर मकान का निर्माण कराना है। पीएम आवास योजना का दूसरा चरण शुरू है। 30 जून तक सर्वे और सत्यापन का कार्य पूरा होना है। इसके बाद आवास आवंटन की प्रक्रिया शुरू होनी है। राज्य सरकार ने दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू होने से पहले प्रथम चरण के कार्यों को पूर्ण कराने का निर्णय लिया है। इस क्रम में प्रथम चरण में जारी की गई राशि के खर्च की जानकारी जुटाई जा रही है। इसी क्रम में वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू की गई है। डूडा ने पाया कि 500 लाभार्थी हैं, जिन्होंने सब्सिडी की राशि का भुगतान करा लिया, लेकिन भवन निर्माण से संबंधित फोटो, वीडियो और अन्य डॉक्यूमेंट उपलब्ध नहीं कराए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ओम बिरला, नड्डा और सीएम यादव ने दी शुभकामनाएं

योग जीवन को संतुलन बनाए रखने की पुरानी भारतीय परंपरा इसे अपनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर देश-दुनिया में लोग योगाभ्यास करते दिखे। इस बार की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग पर आधारत थी। इस विशेष दिन की लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और मध्य प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव ने लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। ओम बिरला ने योग को तन ही नहीं बल्कि मन के लिए भी जरूरी बताया। ओम बिरला ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-न तस्य रोगो न जरा न मृत्युः प्राप्तस्य योगाग्निमयं शरीरम् अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का जरिया ही नहीं, बल्कि यह आत्मा की शुद्धि, चित्त की स्थिरता और जीवन के हर पहलू में संतुलन बनाए रखने की चिर पुरातन भारतीय परंपरा है। यह हमारी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जो आज सम्पूर्ण विश्व को स्वास्थ्य, शांति और समरसता की ओर ले जा रही है। योग आज एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है, जिसे विश्वभर में करोड़ों लोग अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना चुके हैं। इस साल की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है, जो हमारे लोकवाक्य सर्वे संतु निरामयाः की भावना से प्रेरित होकर मानव और पृथ्वी के सामूहिक कल्याण की समग्र दृष्टि को अभिव्यक्त करता है।

उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हम स्वयं और समाज के लिए योग की भावना को आत्मसात करें, स्वयं योग से जुड़ें और अपने आस-पास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर समस्त मानव जाति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक निरामय के साथ वैश्विक शांति एवं कल्याण की मंगलकामना करता हूं।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने भी एक्स पर एक वीडियो क्लिप पोस्ट करते हुए लिखा- योग सिर्फ कसरत नहीं है यह एक अभ्यास है। सांस, संतुलन और गति के ज़रिए हम खुद से जुड़ते हैं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। वहीं मध्य प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव ने भी मानसिक और आध्यात्मिक उन्नयन के लिए इसे जरूरी बताया और एक्स पर लिखा- सभी प्रदेशवासियों एवं योग साधकों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। भारत की ऋषि परंपरा ने मानसिक और आध्यात्मिक उन्नयन के साथ शरीर को भी स्वस्थ रखने के लिए योग विद्या प्रदान की। पीएम मोदी ने विश्व कल्याण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग की अलख जगाकर विश्व बंधुत्व की भावना को प्रबल बनाया है। हम सब योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और स्वस्थ भारत-समर्थ भारत की दिशा में अपना योगदान दें।

ज्यादा बारिश हुई तो झारखंड के साथ पश्चिम बंगाल के भी बिगड़ेंगे हालात

रांची (एजेंसी)। देश के कई इलाकों में झमाझम बारिश हो रही है। झारखंड में बीते तीन दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश ने कई जिलों की हालत बिगाड़ दिए हैं। खासकर बोकारो जिले में स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां तेनुघाट डैम में जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। डैम की अधिकतम जलधारण क्षमता 582 फीट है, लेकिन फिलहाल इसका जलस्तर 856.40 फीट तक पहुंच गया है, जो बेहद चिंताजनक है। बढ़ते जलस्तर के दबाव को कम करने के लिए कल तेनुघाट डैम के सभी 10 गेट खोल दिए गए थे, जिससे 1,09,077 क्यूसेक पानी का बहाव दामोदर नदी में शुरू हुआ। इसके चलते नदी का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है और आसपास के निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन रही है। प्रशासन अलर्ट मोड में है।

इस बार भी तेनुघाट डैम में पानी की तेजी से बढ़ती मात्रा ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, आज शनिवार को स्थिति कल से बेहतर है। बारिश कम होने के बाद प्रशासन ने डैम के 2 गेट बंद कर दिए हैं। अब डैम के 8 गेट खुले हुए हैं और दामोदर नदी में 71,774 क्यूसेक पानी का प्रवाह हो रहा है। अगर बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा, तो मैथन डैम पर भी दबाव बढ़ सकता है और बंगाल में फिर से बाढ़ जैसे हालात बन सकते हैं। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और आसपास के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

अधिकारियों को चिंता इस बात की है कि कहीं पिछले साल जैसी स्थिति दोबारा न उत्पन्न हो जाए। गौरतलब है कि पिछले साल सितंबर में भी इसी प्रकार तेनुघाट डैम से पानी छोड़े जाने के कारण दामादोर नदी में जल का प्रवाह तेज हुआ और बंगाल-झारखंड सीमा पर स्थित मैथन डैम पर दबाव बढ़ा था। तब मैथन डैम के कई गेट खोलने पड़े थे, जिससे बंगाल के कई इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए थे। उस समय पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने झारखंड सरकार पर जानबूझकर संकट पैदा करने का आरोप लगाया था और झारखंड से आने वाले वाहनों पर रोक लगा दी थी। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब 15-16 घंटे लंबा जाम लग गया था।

बीजेपी के लोग गाय का दूध नहीं पीते, उन्हें गोबर पसंद... अखिलेश ने कसा तंज

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर से भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ये सरकार कह रही है कि एक्सप्रेस-वे के किनारे औद्योगिक क्षेत्र विकसित करेंगे। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी ने एक्सप्रेस-वे के किनारे किसानों के लिए बाज़ार बनाने शुरू किए थे। बीजेपी को किसानों के लिए बाज़ार बनाने पर ध्यान देना चाहिए। बाज़ार ऐसे होने चाहिए कि हर फसल वहीं खरीदी जाए... गाय के दूध के प्लांट को क्यों बंद कर दिया?... इन भाजपाइयों को दूध से बने उत्पादों से क्या लेना-देना?

अखिलेश ने तंज सकते हुए कहा कि बीजेपी के लोग गाय का दूध नहीं पीते... उन्हें गोबर पसंद है। उन्हें गोबर उपहार में दिया जाए तो उन्हें अच्छा लगता है. अगर आप उन्हें गाय के दूध से बने उत्पाद जैसे घी या दही उपहार में देंगे तो वे नाराज़ हो जाएंगे... उन्हें गोबर दिया जाए तो वे खुश हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि जितने भी कारोबार करने वाले लोग हैं, हम समाजवादियों से जो मदद और सहयोग हो सकती है हम उनकी करेंगे।

पूर्व सीएम ने कहा कि समाजवादी पार्टी स्कूलों के मर्जर के फैसले के खिलाफ है। अगर स्कूल घर से दूर होगा तो बच्चे कैसे पहुंचेंगे, खासकर बेटियां कैसे पहुंचेंगी। उन्होंने कहा कि मरीज़ आईसीयू में बिना बिजली के कैसे जीवित रहेंगे? स्वास्थ्य विभाग में ट्रांसफर ही नहीं हो रहे। जाने का वक्त है सरकार का, इसीलिए सब सरकार के लोग इसी में लगे हैं कि ट्रांसफर पोस्टिंग से ही कुछ कमा ले। अखिलेश यादव ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि इसके शासन में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, अपराधी खुलेआम हत्याएं कर रहे हैं और राज्य में कोई कहीं भी सुरक्षित नहीं है। अखिलेश यादव अपने संसदीय क्षेत्र कन्नौज पहुंचे थे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा और राज्य में कानून व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त बताया। उन्होंने स्थानांतरण और पदस्थापना के नाम पर बसूली का आरोप भी लगाया।

23 जून को तय हो जाएगा शशि थरूर का भविष्य, कांग्रेस इन या फिर आउट

-कांग्रेस आलाकमान से दो-दो हाथ करने की तैयारी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद कांग्रेस सहित विपक्ष नरेंद्र मोदी सरकार से सुरक्षातंत्र के फेल होने पर सवाल पूछ रहा था। लेकिन कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बयान दिया, हमें केवल उन हमलों के बारे में पता चलता है, जिन्हें हम विफल करने में असफल रहे। ये किसी भी देश में सामान्य बात है। इजरायल का उदाहरण देकर उन्होंने कहा कि किसी भी देश के पास फूलप्रूफ सुरक्षा नहीं होती है। मोदी सरकार को क्लीन चिट देने वाले थरुर के बयान से कांग्रेस में खलबली मच गई। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस बयान की खुली आलोचना की। इसके बाद कयास लगे कि थरूर अब कांग्रेस से विदाई लेने वाले हैं। दो दिन पहले थरूर ने फिर इशारा दिया कि उनका पार्टी नेतृत्व से मतभेद है, जिस पर उपचुनाव के नतीजों के बाद चर्चा करुंगा।

फिर भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इसके बाद कूटनीतिक पहल करते हुए मोदी सरकार ने 59 सदस्यों वाले सात प्रतिनिधिमंडल को दुनिया के 33 देशों में भेजा। इसमें से एक प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कांग्रेस नेता शशि थरूर को दी गई। मोदी सरकार के इस फैसले से फिर कांग्रेस में विवाद शुरू हुआ। कांग्रेस ने प्रतिनिधिमंडल के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, सैयद नासिर हुसैन, लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर राजा सिंह वारिंग का नाम दिया था। बावजूद इसके मोदी सरकार ने कांग्रेस की ओर से पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, विदेश राज्य मंत्री रहे शशि थरूर, राज्यसभा सांसद आनंद शर्मा, चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी और अमर सिंह को चुना।

मोदी सरकार द्वारा चुने गए चार नाम वे थे, जिन नामों को कांग्रेस ने नॉमिनेट नहीं किया था। खुर्शीद और मनीष तिवारी पार्टी हाईकमान की मंशा के विपरीत भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने। लेकिन विवाद शशि थरूर को लेकर ज्यादा हुआ, जिन्हें पांच देशों में सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। थरूर ने बताया कि उन्होंने यह फैसला राष्ट्रहित में लिया है। अपने बयान के बाद शशि थरूर एक बार फिर अपनी ही पार्टी के नेताओं के निशाने पर आ गए। कांग्रेस नेता और राहुल गांधी के करीबी जयराम रमेश ने सांसदों की लिस्ट पर आपत्ति जताकर थरूर को टारगेट किया। उन्होंने पोस्ट में तंज कसते हुए लिखा कि कांग्रेस में होना और कांग्रेस का होना, दोनों में काफी फर्क है। इतना ही नहीं उदित राज ने उन्हें बीजेपी का सुपर प्रवक्ता बता दिया।

थरूर और कांग्रेस नेतृत्व के बीच तनाव बयानबाजी से खत्म नहीं हुआ। केरल के नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव में थरूर प्रचार के लिए नहीं गए। उन्हें पार्टी ने प्रचार के लिए बुलाया नहीं। हालांकि केरल कांग्रेस ने उनके आरोपों का खंडन किया है। जब इस बारे में थरूर से पूछा गया कि तब उन्होंने दो टूक कहा कि कांग्रेस नेतृत्व से उनके मतभेद हैं। वे उपचुनाव के नतीजों के बाद पार्टी के नेताओं से बात करुंगा। यह भी तय है कि कांग्रेस नेतृत्व थरूर की मांगों पर सहानुभूति से विचार करने के मूड में नहीं है। 23 जून को नीलांबुर सहित विधानसभा उपचुनाव के रिजल्ट आ रहे हैं। इसके बाद तय होगा कि थरूर कौन सा दांव चल सकते है।

इस पूरे घटनाक्रम पर राजनीतिक जानकार मानते हैं कि थरूर और गांधी परिवार के रिश्ते 2020 से खराब होने शुरु हो चुके थे। थरूर में जी-23 कहे जाने वाले उन नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने संगठन में बदलाव की वकालत की थी। तब यह माना गया कि गुट के नेताओं ने राहुल गांधी के नेतृत्व को चुनौती दी है। नतीजतन उस गुट में शामिल गुलाम नबी आजाद और कपिल सिब्बल को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। मनीष तिवारी और शशि थरूर जैसे नेता पार्टी में साइड लाइन कर दिए गए। थरूर ने केरल प्रदेश अध्यक्ष की दावेदारी की, जिसे आलाकमान ने सिरे से खारिज किया। अगले साल मई में केरल विधानसभा चुनाव होने हैं। यह थरूर के लिए आखिरी मौके जैसा है। अगर वे राज्य में अपना कद हासिल करने में चूक गए, तब कांग्रेस के भीतर उनकी अंतिम पारी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इजराइल में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास गिरी ईरानी मिसाइल, 6 घायल

अमेरिका बोला– ईरान परमाणु बम बनाने के करीब, सिर्फ खामेनेई के आदेश का इंतजार

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। इसमें 6 लोग घायल हो गए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले गुरुवार को भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आदेश दे दें, तो ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु बम बना सकता है। लेविट ने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। अब बस उन्हें अपने नेता के हां कहने भर की देर है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो इससे सिर्फ इजराइल नहीं, बल्कि अमेरिका और पूरी दुनिया की सुरक्षा को खतरा होगा। 7 दिन की लड़ाई में अब तक इजराइल के

24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा लोग घायल हैं। वहीं, वॉशिंगटन स्थित एक ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दावा किया है कि ईरान में मौत का आंकड़ा अब 639 हो चुका है और 1329 लोग घायल हैं।

स्राइल के बीरशेबा में ईरान का मिसाइल हमला : ईरान ने इस्राइल के बीरशेबा और आसपास के शहरों में मिसाइलों से हमला किया है, जिससे इन शहरों में सायरन बज उठे। सायरनों की आवाज सुनकर लोग बंकरों में घुस गए। बीरशेबा में हुए मिसाइल हमले में कई गाड़ियों में आग लग गई। दरअसल ईरान की तरफ से दागी गई मिसाइल बीरशेबा में एक रिहायशी अपार्टमेंट के बाहर गिरी, जिससे वहां खड़ी कारों में आग लग गई। इस्राइल व अमेरिका की तेहरान खाली किए जाने की चेतावनी के बाद ईरान की राजधानी से लोगों का पलायन शुरू हो गया। करीब एक करोड़ की आबादी वाले शहर से हजारों लोगों के बाहर निकलने से राजमार्गों पर जाम की स्थिति है। तेहरान के सरकारी कर्मचारी अराश ने बताया, मेरे घर के बगल की इमारत इस्राइली हमले में नष्ट हो गई। तीन बच्चे और दो महिलाएं मारी गईं। नेतन्याहू इस तरह ईरानियों को आजादी दिलाना चाहते हैं? उन्हें हमारे देश से दूर रहना चाहिए।

आवासीय इमारत को भी बनाया निशाना : ईरान की मिसाइलों ने तेलअवीव के पूर्व में स्थित रमात गेन में एक आवासीय इमारत को भी निशाना बनाया है। इमारत के एक निवासी यानिव ने कहा, यह बेहद डरावना था। मिसाइल हमले में हमारी पूरी इमारत हिल गई। पिछले एक सप्ताह के इस्राइली हमले में ईरान का शीर्ष सैन्य नेतृत्व पूरी तरह खत्म हो गया है। इसकी परमाणु क्षमताओं को भी बड़ा नुकसान हुआ है। इस दौरान छह सौ से अधिक लोग मारे गए हैं। वहीं ईरान के हमले में इस्राइल में दो दर्जन से अधिक नागरिकों की मौत हुई है। ईरान में फंसे हुए भारतीय नागरिकों की घर वापसी के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंधु शुरू कर दिया है। इस बीच भारतीय नागरिकों और छात्रों की सुरक्षा और वापसी के लिए विदेश मंत्रालय और तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर व ईमेल आईडी जारी कर उन पर संपर्क करने को कहा है। इस्राइल से संघर्ष के बीच हिजबुल्ला ईरान के समर्थन में खुलकर सामने आ गया है। हिजबुल्ला नेता शेख नईम कासिम ने इस्राइल के साथ संघर्ष में ईरान को हर तरह का समर्थन देने की कसम खाई है। उन्होंने कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है और इसका उद्देश्य अपने लोगों की सेवा करना है। गुरुवार रात को दिए भाषण में कासिम ने कहा कि इससे किसी को भी किसी भी तरह का नुकसान नहीं होगा। ईरान ने अपने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स में नए खुफिया प्रमुख की नियुक्ति की है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कमांडर मेजर जनरल मोहम्मद पाकपुर ने ब्रिगेडियर जनरल माजिद खादामी को खुफिया विभाग का नया प्रमुख नियुक्त किया है।

बांग्लादेश में पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री की गिरफ्तारी, अन्य नेताओं के खिलाफ भी कार्रवाई

ढाका, एजेंसी। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अवामी लीग नेताओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। बांग्लादेश के पूर्व योजना राज्य मंत्री शम्सुल आलम को गुरुवार को ढाका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री आलम को अर्थशास्त्र में उनके योगदान के लिए 2020 में देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार एकुशे पदक से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने 35 वर्षों तक बांग्लादेश कृषि विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में कार्य किया, और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान योजना आयोग के सामान्य अर्थशास्त्र प्रभाग (जीईडी) के वरिष्ठ सचिव के रूप में भी कार्य किया। बांग्लादेशी दैनिक बिजनेस स्टैंडर्ड से बात करते हुए, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के संयुक्त आयुक्त नसीरुल इस्लाम ने आलम की गिरफ्तारी की पुष्टि की। रिपोर्टों से पता चलता है कि पुलिस ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि उसे किस आधार पर गिरफ्तार किया गया था। शम्सुल आलम को जिस मामले के तहत गिरफ्तार किया गया था, उसके बारे में पूछे जाने पर इस्लाम ने कहा, उसे वर्तमान में मिंटो रोड पर डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) कार्यालय में रखा गया है। उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, और उसे अदालत में पेश किया जाएगा। अवामी लीग पर जारी कार्रवाई में, पार्टी के कई नेताओं को बुधवार को यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर रखा गया था। बांग्लादेश की एक अदालत ने चकरिया उपजिला के पूर्व सांसद और अवामी लीग के अध्यक्ष जफर आलम को सात अलग-अलग मामलों के सिलसिले में 18 दिन की रिमांड पर भेजने का आदेश दिया है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह आदेश चकरिया के वरिष्ठ न्यायिक मजिस्ट्रेट अनवारुल कबीर ने जांच अधिकारियों द्वारा दायर याचिकाओं के बाद जारी किया। एक अलग घटनाक्रम में, ढाका की एक अदालत ने बुधवार को पूर्व कानून मंत्री अनीसुल हक को पांच दिन की रिमांड पर भेजने का आदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में भारतीय छात्रा तान्या त्यागी की अचानक मौत

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी में पढ़ रही भारतीय छात्रा तान्या त्यागी की अचानक मौत हो गई है। यह जानकारी वैंकूवर स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने गुरुवार को दी। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमें यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी में पढ़ रही भारतीय छात्रा तान्या त्यागी के आकस्मिक निधन से गहरा दुख हुआ है। फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि उनकी मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। दूतावास ने आगे बताया कि वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और तान्या के परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। पोस्ट में लिखा गया कि हम मृतक की आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हैं और उनके परिवार व मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं।

ब्रिटिश जज ने चीनी छात्र को सुनाई 24 साल की सजा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की एक अदालत ने चीनी पीएचडी छात्र झेनहाओ झोउ को 10 महिलाओं से दुष्कर्म करने के आरोप में दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने कहा कि वह कम से कम 24 साल जेल में रहेगा। लंदन के इनर क्राउन कोर्ट में चार हफ्तों तक चली सुनवाई के बाद उसे दोषी करार दिया गया। वह यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी कर रहा था। जानकारी के अनुसार झोउ डेटिंग ऐप्स और वीचैट के जरिए चीनी मूल की छात्राओं से दोस्ती करता था। फिर उन्हें अपने फ्लैट पर ड्रिंक के लिए बुलाता और नशीला पदार्थ देकर बेहोशी की हालत में दुष्कर्म करता।

केन्या होटल हमले मामले में दो लोगों को 30 साल की सजा

नैरोबी, एजेंसी। केन्या की एक अदालत ने 2019 में नैरोबी के एक लग्जरी होटल पर हुए आतंकी हमले में मदद करने वाले दो आरोपियों को 30 साल की सजा सुनाई है। इस हमले में 21 लोगों की जान चली गई थी। दोनों आरोपी, हुसैन मोहम्मद अब्दिले अली और मोहम्मद अब्दी अली, केन्या के रहने वाले हैं। अदालत में बताया गया कि इन लोगों ने हमलावरों को पैसे भेजे और फर्जी पहचान पत्र बनवाने में मदद की थी। हमला करने वाले आतंकी बाद में मारे गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी अल-कायदा से जुड़ा आतंकी संगठन अल-शबाब ने ली थी, जो सोमालिया में सक्रिय है। यह हमला दिन के समय डुसिट डी2 होटल परिसर में किया गया था। इससे पहले भी अल-शबाब ने केन्या के वेस्टगेट मॉल (2013) में 67 लोगों और गरिसा यूनिवर्सिटी (2015) में 147 छात्रों की हत्या की थी।

न्यूयॉर्क में पुलिस गाड़ियों में आग लगाने वाला संदिग्ध अब तक फरार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। पिछले हफ्ते ब्रुकलिन में न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की 11 गाड़ियों में आग लगाने के मामले में एक 21 वर्षीय युवक की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार यह युवक पहले कई बार प्रोटेस्ट में भाग ले चुका है और कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक मूर्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में भी वांछित है। एनवाईपीडी ने बुधवार को युवक की तस्वीरें और वीडियो जारी कर जनता से मदद मांगी। पुलिस का कहना है कि युवक न्यू जर्सी का रहने वाला है और फिलहाल फरार है। बता दें कि पहली घटना 12 जून की रात करीब 1 बजे हुई, जब आरोपी ब्रुकलिन के बुशविक इलाके में एक पुलिस स्टेशन के पास बने पार्किंग में घुस गया। उसने कई पुलिस गाड़ियों के विंडशील्ड, बोनट और टायर पर आग लगाने वाले पदार्थ रखे और मौके से भाग गया। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। राहत की बात यह रही कि कोई गाड़ी उस वक्त चालू नहीं थी और किसी को कोई चोट नहीं आई।

चेक गणराज्य में नकली डेंटल क्लिनिक चलाने वाले परिवार का भंडाफोड़

चेक गणराज्य, एजेंसी। चेक पुलिस ने एक फर्जी डेंटल क्लिनिक चलाने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जो बिना किसी लाइसेंस या पेशेवर प्रशिक्षण के मरीजों का इलाज कर रहे थे। यह क्लिनिक देश की राजधानी प्राग से लगभग 100 किलोमीटर दूर हावलीचकुव ब्रॉड शहर में एक घर में चल रहा था। पुलिस के अनुसार, यह परिवार पिछले दो साल से अपने घर में नकली डेंटल क्लिनिक चला रहा था और अब तक करीब 40 लाख चेक क्रोना (लगभग 1.85 लाख अमेरिकी डॉलर) कमा चुका था। इनकी गिरफ्तारी इसी महीने की शुरुआत में हुई। परिवार के सदस्य और उनकी भूमिकाएं 22 वर्षीय बेटा इंटरनेट से सर्जरी और दांत निकालने जैसी प्रक्रियाएं सीखकर खुद इलाज करता था। वहीं 50 साल की मां, जो पेशे से नर्स रही हैं, बेटे की असिस्टेंट बनकर इलाज में मदद करती और जरूरी सामान उपलब्ध कराती थीं। जबकि 44 वर्षीय पिता नकली दांत और अन्य उपकरण बनाते थे।

ईयू ने किया गूगल पर 4.1 अरब यूरो जुर्माने का समर्थन, एंड्रॉयड से प्रतिस्पर्धा रोकने का आरोप

ब्रसेल्स, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी अल्फाबेट की गूगल को यूरोपीय संघ (ईयू) के सर्वोच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट की सलाहकार ने गूगल पर 4.1 अरब यूरो (करीब 4.98 अरब डॉलर) के जुर्माने का समर्थन किया है। गूगल ने यूरोपीय संघ के प्रतिस्पर्धा विरोधी जुर्माने के खिलाफ अपील की थी। अब इसके खारिज होने की संभावना है। गूगल पर प्रतिद्वंद्वी कंपनियों को दबाने के लिए एंड्रॉयड का इस्तेमाल करने का आरोप है। ईयू के सर्वोच्च न्यायालय की सलाहकार जुलियन कोकोट ने गूगल पर सात साल पहले लगाए गए 4.34 अरब यूरो (4.98 अरब डॉलर) के जुर्माने के खिलाफ लड़ाई में यूरोपीय संघ के प्रतिस्पर्धा-विरोधी नियामकों का पक्ष लिया। अमेरिकी कंपनी गूगल ने अपने एंड्रॉयड मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम का इस्तेमाल प्रतिद्वंद्वियों को रोकने के लिए किया था। एक निचली अदालत ने 2022 में यूरोपीय संघ के फैसले का समर्थन किया, लेकिन जुर्माने की राशि घटाकर 4.1 अरब यूरो कर दी थी, लक्जमबर्ग स्थित यूरोपीय संघ के न्यायालय की महाधिवक्ता जुलियन कोकोट ने अपनी गैर बाध्यकारी राय में अदालत को गूगल की अपील को खारिज करने और निचली ट्रिब्यूनल की ओर से निर्धारित कम जुर्माने को बरकरार रखने की सलाह दी है।

रूस ने यूक्रेन पर दागीं मिसाइल, जेलेंस्की बोले- युद्ध विराम के लिए पुतिन पर दबाव बनाया जाए

कीव/मॉस्को , एजेंसी। रूस-यूक्रेन के बीच जंग थम नहीं रही है। रूस ने यूक्रेन पर एक बार फिर मिसाइलें दागी हैं। कीव में नौ मंजिला अपार्टमेंट पर हुए मिसाइल हमले में 23 लोगों की मौत हो गई। हमले के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि वैश्विक ताकतों को युद्ध विराम के लिए रूस पर दबाव डाला जाए। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि यह हमला दुनिया को याद दिलाता है कि रूस युद्ध विराम को अस्वीकार करता है और हत्या का विकल्प चुनता है। उन्होंने यूक्रेन के उन सहयोगियों को धन्यवाद दिया, जो रूस पर दबाव डालने के लिए तैयार हैं। कीव सेना के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि मंगलवार सुबह कीव पर ड्रोन और मिसाइल हमला हुआ। इसमें शहर भर में 28 लोग मारे गए और 142 अन्य घायल हो गए। हमले के बाद जेलेंस्की राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख आंद्रेई यरमक और आंतरिक मंत्री इगोर क्लिमेंको के साथ सोलोमिंस्की जिले में हमले में क्षतिग्रस्त अपार्टमेंट पर पहुंचे और मिसाइल हमले में मारे गए 23 लोगों को श्रद्धांजलि दी।

440 ड्रोन और 32 मिसाइलें दागी : कीव हमले के जरिये रूस ने यूक्रेनी हवाई सुरक्षा को खत्म करने की कोशिश की। रूस ने 440 से अधिक ड्रोन और 32 मिसाइलें दागीं। हाल ही में में

रूस ने शहरी रिहायशी इलाकों पर लंबी दूरी के हमले किए हैं। बुधवार को पुतिन ने इस बात से इनकार किया कि उनकी सेना ने ऐसे ठिकानों पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि हमले सैन्य प्रतिष्ठानों पर किए गए थे, रिहायशी इलाकों पर नहीं। पुतिन ने कहा कि वह जेलेंस्की के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। इस्तांबुल में पिछले दौर की वार्ता में कैदियों और शहीद सैनिकों के शवों की अदला-बदली हुई थी।

हमलों के बीच रूस-यूक्रेन के बीच कैदियों की अदला-बदली जारी है। गुरुवार को यूक्रेन के चेर्निहीव क्षेत्र में यूक्रेनी युद्धबंदियों को वापस भेजा गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कैदी अदला-बदली के बाद बेलारूस के एक विनिमय क्षेत्र में रूसी सैनिकों का एक वीडियो जारी किया। इस पर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि हम अपने लोगों को वापस लाने के लिए काम कर रहे हैं। इन आदान-प्रदानों को संभव बनाने में मदद करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद। हमारा लक्ष्य हर एक को मुक्त कराना है। यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने गुरुवार को एक्स पर लिखा कि हमने युद्ध विराम के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को बिना शर्त स्वीकार किया था। जबकि युद्ध समाप्त करने की इच्छा के रूसी दावे छल-कपट थे।

ईरान ने ब्रिगेडियर खादमी को बनाया खुफिया प्रमुख, पुराने चीफ को खत्म कर चुका है इजरायल

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अपने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) में नए खुफिया प्रमुख की नियुक्ति कर दी है। पिछले सप्ताह इजरायली हवाई हमलों में इसके पूर्व प्रमुख और उनके डिप्टी की मौत हो गई थी। ईरान की सरकारी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आईआरजीसी के कमांडर मेजर जनरल मोहम्मद पकपूर ने ब्रिगेडियर जनरल मजीद खादमी को खुफिया विभाग का नया प्रमुख नियुक्त किया है।

पिछले रविवार को इजरायली हमले में आईआरजीसी के खुफिया प्रमुख मोहम्मद काजमी, उनके डिप्टी हसन मोहाकिक, और एक अन्य वरिष्ठ कमांडर मोहसेन बघेरी की मौत हो गई थी। ये हमले तेहरान में हुए, और खुद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक इंटरव्यू में इन हत्याओं की पुष्टि की थी।

इजरायल-ईरान संघर्ष का बढ़ता तनाव : यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब इजरायल और ईरान के बीच सैन्य तनाव चरम पर है। शुक्रवार, 13 जून को शुरू हुए इजरायली हमलों ने ईरान के

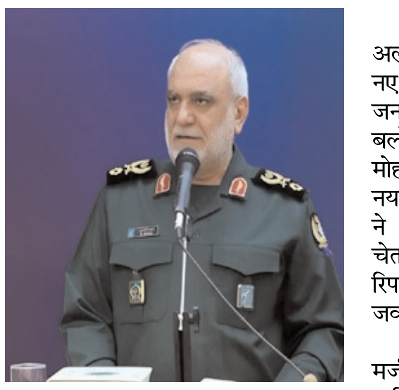

सैन्य नेतृत्व को गहरा झटका दिया है। इन हमलों में ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडरों में से कई मारे गए हैं। इनमें जनरल मोहम्मद बघेरी (सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ), जनरल होसैन सलामी (आईआरजीसी के कमांडर-इन-चीफ), और जनरल गोलमअली रशीद शामिल थे। इसके अलावा, कई परमाणु वैज्ञानिकों और सैन्य ठिकानों, विशेष रूप से नतांज में यूरेनियम संवर्धन संयंत्र, को भी निशाना बनाया गया।

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतोल्लाह अली खामेनेई ने इन हमलों के बाद तुरंत नए सैन्य नेताओं की नियुक्ति की, जिसमें जनरल अब्दोलरहीम मूसवी को सशस्त्र बलों का चीफ ऑफ स्टाफ और जनरल मोहम्मद पकपूर को आईआरजीसी का नया कमांडर नियुक्त किया गया। खामेनेई ने इजरायल को कठोर सजा देने की चेतावनी दी है और कहा है कि इस्लामिक रिपब्लिक का मजबूत हाथ इजरायल को जवाब देगा।

नए खुफिया प्रमुख की चुनौती : मजीद खादमी की नियुक्ति को ईरान की खुफिया क्षमताओं को पुनर्गठित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जो हाल के हमलों में बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। खादमी को न केवल आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना होगा, बल्कि इजरायल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की योजना बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार इजरायली हमलों और खुफिया घुसपैठ के कारण उनकी स्थिति जोखिम भरी हो सकती है।

पाकिस्तान ने फिर स्वीकारा, भारत ने किए हमले; डार बोले- सऊदी प्रिंस ने निभाई कूटनीतिक भूमिका

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने एक बार फिर मान लिया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने उसके हवाईअड्डों पर हमला किया था और ऑपरेशन के दौरान ही सऊदी प्रिंस फैसल ने विदेश मंत्री जयशंकर से बात कर यह संदेश दिया था कि पाकिस्तान रुकने के लिए तैयार है। जियो टीवी पर हामिद मीर से बात करते हुए पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री सह विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि भारत के हमले के बाद प्रधानमंत्री ने सेना को अधिकृत कर दिया कि उन्हें क्या कार्रवाई करनी है, हालांकि उसी रात (छह-सात मई) भारत ने हमारे दो और एयरबेस नूरखान और शोरकोट पर हमला कर दिया।

सऊदी प्रिंस के फोन कॉल पर क्या कुछ हुई बातचीत : डार ने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने हमारे दो और एयरबेस नूरखान और शोरकोट पर हमला कर दिया। इसके कुछ देर बाद मुझे सऊदी प्रिंस फैसल (फैसल बिन सलमान) का फोन आया कि भाई, हमें पता है कि आप रुबियो (अमेरिकी विदेश मंत्री) के संपर्क में हो लेकिन क्या आप हमें जयशंकर से बात करने के लिए अधिकृत करते हो कि आप रुकने के लिए तैयार हैं तो मैंने उनसे कहा, हां, आप जरूर करिए। इसके करीब 25 मिनट बाद उनका फोन आया कि उन्होंने जयशंकर से बात कर संदेश दे दिया है।

इससे पहले भी पाकिस्तान ने स्वीकारी हमले की

बात इसके साथ ही पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री ने कहा कि बात यह है कि अगर उन्होंने अपना किरदार अदा किया है और वह इसका क्रेडिट लेना चाहते हैं तो 13 दफा ले लें या 130 दफा ले लें, हमें इसमें कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी पाकिस्तान ने कई मौकों पर भारत की तरफ से उसके हवाईअड्डों को निशाना बनाने की बात स्वीकार की है। ऑपरेशन सिंदूर, जिससे पड़ोसी के उड़ गए थे होश गौरतलब है कि 6 से 7 मई की दरमियानी रात को 1:05 बजे से लेकर 1:30 बजे तक सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। 25 मिनट के इस ऑपरेशन में 24 मिसाइलों के जरिए नौ आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया गया। इन नौ ठिकानों में से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में थे, वहीं चार पाकिस्तान में थे।

ईरान के समर्थन में उतरा हिजबुल्ला, कहा- हम इस्राइल और अमेरिका के खिलाफ लड़ाई में साथ

बेरुत, एजेंसी। ईरान-इस्राइल तनाव के बीच हिजबुल्ला ने भी तेहरान के समर्थन का दावा किया है। हिजबुल्ला नेता शेख नईम कासिम ने कहा कि इस्राइल और अमेरिका के खिलाफ लड़ाई में हम ईरान के साथ हैं। ईरान का परमाणु कार्यक्रम शांति के लिए है। वह अपने लोगों की सेवा करना चाहता है। इससे किसी को भी नुकसान नहीं होगा। बल्कि यह ईरान और पश्चिम एशिया में बड़ा वैज्ञानिक योगदान होगा। नईम कासिम ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ईरान का विरोध परमाणु कार्यक्रम को लेकर नहीं किया जा रहा है, बल्कि इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वह विश्वास, ज्ञान और स्वतंत्रता का समर्थन करता है। साथ ही पीड़ितों को लाभ पहुंचाता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की धमकी को लेकर भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिका पश्चिम एशिया को अराजकता, अस्थिरता की ओर ले जा रहा है। अमेरिका विश्व को बड़े संकट की ओर धकेल रहा है। इससे अमेरिका को केवल शर्म, अपमान और विफलता ही हासिल होगी। ईरान के लोगों को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। साथ ही क्षेत्र और विश्व के लोगों को भी ईरान के साथ खड़े होने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि हम अपनी स्वतंत्रता, अपनी जमीन की मुक्ति, फैसलों और विकल्पों की स्वतंत्रता के साथ खड़े हैं। तेहरान के साथ हिजबुल्ला के गठबंधन की पुष्टि करते हुए कासिम ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के लिए समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि हम सभी स्वतंत्र लोगों, उत्पीड़ितों, प्रतिरोध सेनानियों, विद्वानों और

अच्छे विचारों वाले लोगों से आह्वान करते हैं कि वे अपनी आवाज बुलंद करें। खामेनेई नेतृत्व के साथ एकजुट होकर ताकत, साहस और समर्थन का प्रदर्शन करें। अमेरिका ने हिजबुल्ला को दी चेतावनी इस बीच अमेरिका ने इस्राइल-ईरान संघर्ष में शामिल होने को लेकर हिजबुल्ला को कड़ी चेतावनी दी। अमेरिकी दूत थॉमस बैरक ने बेरूत में कहा कि हिजबुल्ला का युद्ध में शामिल होना बहुत, बहुत बुरा फैसला होगा।

ट्रंप बोले- दो सप्ताह में लूंगा फैसला : व्हाइट हाउस ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले दो सप्ताह के भीतर यह निर्णय लेंगे कि ईरान पर हमला करना है या नहीं। उन्होंने कहा कि ट्रंप को अभी भी इस बात की पर्याप्त संभावना दिख रही है कि वार्ता के माध्यम से ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका और इस्राइल की मांगें पूरी हो सकती हैं। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि फिलहाल ईरान को अपने संवर्धन कार्यों तथा परमाणु हथियार बनाने की किसी भी अन्य संभावना को तत्काल बंद करने की राष्ट्रपति की चेतावनी की समयसीमा बढ़ा दी गई है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

गुजरात सरकार के पूर्व मंत्री नानू वानाणी के नाम से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे पत्र ने राजनीति में हलचल मचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कतारगाम इलाके में इस समय रिहायशी सोसाइटी पर आरक्षण के मुद्दे को लेकर लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इसी बीच, लोगों की ओर से अतीत में इस आरक्षण के खिलाफ लड़ाई लड़ चुके गुजरात सरकार के पूर्व मंत्री नानू वानाणी के नाम से एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इस पत्र में लिखा गया है कि च्चजिस विनाश का सिद्धांत कांग्रेस पर लागू हुआ, वही भाजपा पर भी उतना ही लागू होगा।ज्ज इसके अलावा पत्र में भाजपा के प्रशासन, कार्यशैली और सांस्कृतिक बदलावों पर भी तीखी आलोचना की गई है। इस कारण यह पत्र सूरत की राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है।

हालांकि, यह पत्र किसने लिखा है और क्यों लिखा गया है – इसको लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

सूरत में चल रहे आरक्षण के मुद्दे को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इसी बीच आज सोशल मीडिया पर राज्य सरकार के पूर्व मंत्री नानू वानाणी के नाम से एक पत्र वायरल हुआ है, जिससे राजनीति और अधिक गर्मा गई है।

इस पत्र में भाजपा की विचारधारा च्चएकात्म मानववादज्ज का उल्लेख किया गया है, जो पंडित दीनदयाल उपाध्याय की सोच है और जो "वसुधैव कुटुम्बकम्" जैसी भारतीय ऋषि परंपरा पर आधारित है।

हालांकि, पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि भाजपा में नैतिक, प्रशासनिक और कार्यप्रणाली में आए बदलावों के कारण पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं में असंतोष और निराशा की भावना उत्पन्न हुई है।

વિનાશનો જે સિધાન્ત કોંગ્રેસને લાગુ પડયો, તે ભાજપને પણ એટલો જ લાગુ પડે.

નાનુભાઈ વાનાણી.

ગુજરાતીઓની સ્વભાવગત વિચારધારા મુડિવાદી હોવા છતાં મહાત્માં ગાંધી સહીત રાજ્યના અન્ય મહાપુરૂષોના પ્રબળ પ્રભાવના કારણે ગુજરાતીઓમાં સમર્પણ, સેવા અને સાદગીનો નિઃસ્વાર્થ ભાવ પણ ઉજાગર થાય છે. એટલે જ ગુજરાતના રાજકિય વાતાવરણમાં ઘણા વર્ષો સુધી ગાંધીવાદી સમાજવાદનો સ્થિર પ્રભાવ રહ્યો હતો. ગુજરાતીઓની આવી સ્થિર માનસિકતાના કારણે જ આઝાદી મળ્યાથી ૧૯૯૦ સુધી સતત કોંગ્રેસનું અને ૧૯૯૫ પછી રાજ્યમાં ભારતીય જનતા પક્ષનું સ્થિર શાસન રહ્યું છે. આ સ્થિરતાનો અર્થ એ છે કે ગુજરાતની શાંત અને ધિરગંભીર પ્રજા તિકડમી અને લફડાપ અસ્થિર રાજનીતિમાં વિશ્વાસ કરવાને બદલે સ્થિર અને શાંત એવી મહાજની રાજનીતિ જ પસંદ કરે છે. એટલે જ સને ૧૯૭૦ પહેલાના દાયકામાં મુડીવાદી વિચારધારાના સમર્થક સ્વતંત્ર પક્ષનો થોડો ચમકારો રહ્યો હોવા છતાં સત્તા નજીક પહોંચે એટલો તો તે ન જ રહ્યો તેનું કારણ ગુજરાતની સ્થિર તાસીર જ છે.

ગુજરાતની મહાજની સાંસ્કૃતિક રાજકિય તાસીરનું ટુંક તારણ આપવાનું કારણ એ છે કે સને ૧૯૯૫ થી આજ સુધી ગુજરાતમાં અડિખમની સાથોસાથ સુચારૂ શાસન કરનાર ભારતીય જનતા પક્ષમાં ક્રમાનુસાર નૈતિક, વહિવટી, કાર્ય, કાર્ય પધ્ધતી અને રાજકિય સંસ્કારમાં આવેલા પરીવર્તનના કારણે પક્ષના પાયાના કાર્યકરોના માનસમાં ઉભા થયેલા અલગાવ અથવા વિષાદનું વિશ્લેષણ કરવાનો અહીં પ્રયાસ કર્યો છે.

ભાજપના વહિવટમાં કાર્યપધ્ધતીનું પરીવર્તન : 'વ્યક્તિ, પરિવાર, સમાજ, રાષ્ટ્ર અને ચરાચર વિશ્વ એકબીજાને જોડતી શૃંખલાનો હિસ્સો હોવાથી કોઈ એકને પોષીત કરી અન્યની ઉપેક્ષા નહી કરવાની વિચારધારા ભારતીય જનતા પક્ષની છે. એટલે જ આ વિચારધારાને નામ આપ્યું 'એકાત્મ માનવવાદ'. જેમાં વ્યક્તિ વ્યક્તિ વચ્ચે જાતિ, સંપ્રદાય, વર્ણ, અર્થ, ભાષા, પ્રદેશ, દેશ વગેરે પ્રકારના ભેદ રાખ્યા વગર સમાજના અંતિમ છેડે ઉભેલ વ્યક્તિના ઉત્થાનથી શરૂ કરાતી વિકાસ યાત્રા આગળ વધારી આગલા વ્યક્તિ સુધી પહોંચાડવાની આ વિચારધારા છે. જ્યારે તમામના ઉત્કર્ષની વાત કહેવામાં આવે ત્યારે ચરાચર સૃષ્ટીના તમામ અંગોનો તેમાં સમાવેશ થાય છે. આ વિચારધારાના પ્રણેતા ભાજપના વિચાર પુરૂષ 'પંડિત દિનદયાળ ઉપાધ્યાયજી' હતા.

ચરાચર સૃષ્ટીના એકાત્મ વિકાસની વિચારધારા નવી નથી તેના બીજ તો, ભારતીય ઋષી પરંપરાથી જ રોપાયા હતા. એટલે જ વેદ અને ઉપનિષદના ઋષીઓએ નારો બુલંદ કરેલ કે 'વસુધૈવ કુટુંબકમ' અર્થાત સમગ્ર સૃષ્ટી મારો પરીવાર છે. તેનો અર્થ એ છે કે ભારતીય જનતા પાર્ટીની વિચારધારામાં ભારતની પ્રાચીન ભુમીની સુગંધ જોડાયેલી છે. વિદેશી ભુમીની નહી. અહીં વિદેશ શબ્દનો અર્થ સંકુચીત એટલે નથી કરવાનો કે ભારત એક સ્વતંત્ર રાષ્ટ્ર હોવા છતાં તે ચિંતા તો સમગ્ર સૃષ્ટીની જ કરે છે. એટલે જ પ્રત્યેક દેશ, પ્રદેશ, જાતિ, સંપ્રદાય કે ભાષા વિશેષને નફરત નહી પ્રેમની નજરથી જ ભારત જુએ છે. વૈશ્વિક સમદષ્ટીની વિચારધારા અપનાવવાના કારણે જ ભારતીય જનતા પાર્ટી માટે કહેવાય છે કે 'પાર્ટી વિથ ડિફરન્ટ' એટલે કે બાકીના તમામ રાજકિય પક્ષોથી અલગ.

સંકુચિત નહી વ્યાપક દષ્ટીથી જો મુલવણી કરીએ તો શ્રી નરેન્દ્રભાઈ મોદી જે વિચારથી દેશનું શાસન ચલાવે છે તે દેશ હિત પુરતું સંકુચિત ન રહેતા વિશ્વ હિતની વ્યાપક નજરે જ ચલાવી રહ્યા છે. શ્રી નરેન્દ્રભાઈની વ્યાપક સમજ એ છે કે સમગ્ર સૃષ્ટીના હિતમાં જ આપણા દેશનું હિત સમાયેલ હોવાથી અન્યનું અહિત કરીને કોઈ પોતાનું હિત ક્યારેય સાધી શકે નહી. શ્રી નરેન્દ્રભાઈની આ સમજ ભારતીય જનતા પાર્ટીની વિચારધારાનું પ્રતિબિંબ પાડતું હોવાથી સમગ્ર વિશ્વના લોકો શ્રી નરેન્દ્રભાઈ પાસે વિશેષ અપેક્ષા રાખે તે સ્વાભાવિક છે.

પોતાના દેશથી ઉપર ઉઠી સમગ્ર વિશ્વના લાભ માટે શ્રી નરેન્દ્રભાઈ મોદી જ્યારે કાર્ય કરી રહ્યા છે ત્યારે એ સફળતાનું સૌથી મોટું લાભાર્થી ગુજરાત ન બન્યું હોય તેવું તો માની જ કઈ રીતે શકાય ? તેમાંએ જ્યારે સતત તેર વર્ષ સુધી શ્રી નરેન્દ્રભાઈનું નેતૃત્વ ગુજરાતને મળ્યું હોય ત્યારે એ જાણવું અત્યંત જરૂરી છે કે એ તેર વર્ષ સહિત છેલ્લા અઠ્યાવિસ વર્ષ ભાજપે રાજ્યમાં કરેલ શાસન દરમ્યાન થયેલા વહિવટી, નૈતિક અને કાર્યપધ્ધતીનાં પરીવર્તનો કેવા હતા ? કોઈપણ રાજકીય પક્ષ જ્યારે જે તે રાજ્યની સત્તામાં નવો નવો આવે ત્યારે તે પોતાનું એક નવું જ વહિવટી મોડલ લઈને

वलसाड नगर पालिका में करोड़ों के कामों को लेकर विवाद खड़ा

अध्यक्ष पद से मंजूर किए गए कार्यों के खिलाफ भाजपा 15 सदस्यों ने विरोध और अनियमितताओं के आरोप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड नगर पालिका में अप्रैल–2025 की सामान्य सभा की मिनिट्स को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। अध्यक्ष पद से 14 नीतिगत और करोड़ों रुपये की लागत वाले अतिरिक्त कार्यों को मंजूरी दी गई है। इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ भाजपा के ही 15 सदस्यों ने आपत्ति जताई है। 3 अप्रैल को हुई सामान्य सभा की मिनिट्स सदस्यों को जून–2025 में प्राप्त हुई। सदस्यों का आरोप है कि कई कार्यों को लेकर सभा में कोई चर्चा नहीं हुई थी। इन कार्यों को अध्यक्ष पद से मिनिट्स में अतिरिक्त कार्यों के रूप में जोड़ा गया है। नए और अनुभवी सदस्यों का कहना है कि इन कार्यों को बिना चर्चा के ही मिनिट्स में शामिल कर लिया गया।

नगरपालिका अध्यक्ष मालतीबेन टंडेल ने बताया कि सभी मुद्दों पर चर्चा की गई थी। उन्होंने नाराज पार्षदों को समझाने की कोशिश की है और उनके अनुसार सभी कार्य नियमों के तहत किए गए हैं।

कानूनी समिति के चेयरमैन नितेश वशी, हॉस्पिटल कमेटी की उर्वशी पटेल सहित विभिन्न समितियों के 15 सदस्यों ने अध्यक्ष को लिखित रूप में अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। सदस्यों का कहना है कि ऐसे निर्णयों को एजेंडे में शामिल कर सामान्य सभा में चर्चा होनी चाहिए थी। अध्यक्ष पद से सीधे मिनिट्स में अतिरिक्त कार्यों को दर्ज करना नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों के विरुद्ध है।

इस विवाद के चलते वलसाड नगर पालिका में सत्तारूढ़ दल की आंतरिक स्थिति कमजोर पड़ी है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर और अधिक राजनीतिक गर्माहट की संभावना जताई जा रही है। मिनिट्स में दिखाया गया है कि वलसाड नगर पालिका क्षेत्र में करोड़ों रुपये के महत्वपूर्ण कार्यों को बिना चर्चा के अध्यक्ष पद से स्वीकृत किया गया है, जबकि सामान्य सभा में इन विषयों पर कोई बहस या अनुमति नहीं हुई थी – ऐसा आरोप पार्षदों द्वारा लगाया गया है।

सूरत के ऐन्जाइम –16 संस्थान के छात्रों ने NEET–2025 में हासिल की शानदार सफलता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत शहर के योगी चौक क्षेत्र में स्थित प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था ऐन्जाइम –16 के छात्रों ने NEET–2025 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर न केवल अपना, बल्कि पूरे सूरत शहर का नाम रोशन किया है।

NEET–2025 के घोषित परिणामों के अनुसार, छात्र गजेरा काव्या ने 720 में से 622 अंक प्राप्त कर सूरत शहर और जिले में तीसरा स्थान हासिल किया है। विशेष रूप से, EWS कैटेगरी में उसने देशभर में 24वीं रैंक प्राप्त कर अपने माता–पिता, संस्था और पूरे शहर को गौरवान्वित किया है।

ऐन्जाइम –16 के अन्य छात्रों में मागुकिया मन ने 581 अंक, गजेरा पूर्व ने 578, गजेरा मीत ने 514, घोघारी जय ने 509, और डोबरिया प्रियांशी ने 500 अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इन छात्रों ने न सिर्फ अपने सपनों को साकार किया है, बल्कि पूरे योगी चौक क्षेत्र को गर्व से भर दिया है।

ऐन्जाइम –16 संस्थान के संचालकों और शिक्षकों ने सभी छात्रों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। संस्था वर्षों से NEET, JEE जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की समर्पित तैयारी करवाकर कई सफलताएं दिला चुकी है, और इस वर्ष भी छात्रों ने दिए गए मार्गदर्शन को सार्थक सिद्ध किया है।

सूरत के कामरेज में दिल दहला देने वाली घटना

प्रेमी ने युवती को पांचवीं मंजिल से धक्का देकर की हत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में हत्या की घटनाओं में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। अपराध दर के बढ़ते ग्राफ के साथ पुलिस की कार्यप्रणाली, सुरक्षा व्यवस्था और कानून–व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सूरत में 'सब सलामत' के दावे खोखले साबित हो रहे हैं, क्योंकि अपराधी बेखौफ होकर एक के बाद एक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

सूरत के कामरेज क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका को पांचवीं मंजिल से धक्का देकर हत्या कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार किसी बात को लेकर हुए झगड़े के बाद युवक ने युवती की हत्या कर दी। पुलिस को सूचना मिलने पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरत के कामरेज गांव में युवती की हत्या की खबर से हड़कंप मच गया है। कामरेज स्थित श्याम सुंदर अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल से प्रेमी द्वारा प्रेमिका को धक्का देकर हत्या करने का आरोप है। किसी अज्ञात कारण से दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके चलते युवक ने युवती को मार डाला और उसके शव को खेत में फेंक दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई है। युवक से पूछताछ के बाद ही हत्या के पीछे की असल वजह सामने आ सकेगी। फिलहाल पुलिस आरोपी युवक की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है।

केंद्रीय मंत्री की आश्वासन के बावजूद सूरत के कतारगाम इलाके में सोसाइटी के लोगों ने अपने दरवाजे पर पहरा बिठा दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कतारगाम इलाके में राजनीतिक खींचतान के चलते एक रिहायशी सोसाइटी के कॉमन प्लॉट और वाड़ी (बगीचे) पर आरक्षण के मुद्दे को लेकर लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि कब्जा नहीं किया जाएगा, इसके बावजूद आज भी वेड रोड क्षेत्र की सोसाइटी के गेट पर ताले लगे रहे और लोग कुर्सियां रखकर गेट पर बैठ गए।

नगर निगम यदि किसी स्वीकृत प्लान वाली सोसाइटी के कॉमन प्लॉट पर कब्जा करती है, तो लोगों ने "लैंड ग्रैबिंग"(जमीन हड़पने) की शिकायत की चेतावनी देते हुए नोटिस भी चिपका दिया है।

कतारगाम की रिहायशी सोसाइटी में लगाए गए आरक्षण (रिजर्वेशन) को रिवाइज (पुनरावलोकन) कर हटाया न जाए, तब तक कभी भी कब्जा लेने की कार्रवाई की जा सकती है – यह बात सोसाइटी के लोगों को पता चल चुकी है। डेढ़ साल से "एक इंच भी जमीन पर कब्जा नहीं किया जाएगा" ऐसी आश्वासन के बावजूद अब तक 34 प्लॉटों पर कब्जा ले लिया गया है।

इसी कारण अब स्वीकृत प्लान वाली सोसाइटियों के लोग पहले से ज्यादा सतर्क हो गए हैं। कल केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल द्वारा आश्वासन देने के बावजूद आज भी वेड रोड की ईश्वरनगर सोसाइटी के गेट पर ताला लगाकर बुजुर्ग लोग वहीं बैठ गए थे। 38 साल पुरानी, जिसकी प्लानिंग को नगर निगम ने मंजूरी दी थी – ऐसी सोसाइटी के कॉमन प्लॉट पर आरक्षण लगाया गया है। इससे लोगों में भारी आक्रोश है और वे लड़ने के मूड में हैं।

इस सोसाइटी के लोग कब्जा न देने और जिन 34 प्लॉटों पर कब्जा किया गया है, उन्हें वापस लौटाने की मांग कर रहे हैं।

सूरत में असामाजिक तत्वों का आतंक BRTS बस में गुंडागर्दी का वीडियो वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की BRTS और सिटी बस सेवाओं में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। BRTS बस में असामाजिक तत्वों की गुंडागर्दी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। एक यात्री ने बस के अंदर हुई झड़प का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जिससे बस में यात्रा करने वाले लोगों में चिंता की लहर फैल गई है।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले भी BRTS बस में ड्रग्स से संबंधित एक वीडियो वायरल हुआ था, जिससे सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा को लेकर लोगों में अविश्वास की भावना बढ़ने लगी थी। वर्तमान घटना की असल वजह अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह जरूरी है कि ट्रैफिक और बस संचालन विभाग ऐसी घटनाओं को गंभीरता से ले और सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाए।

बताया जा रहा है कि बच्चे को मारने को लेकर शुरू हुई इस झगड़े में अन्य यात्रियों ने हस्तक्षेप कर असामाजिक तत्वों को रोका और उन्हें बस से नीचे उतार दिया।

वाराणसी हत्याकांड का आरोपी 28 साल बाद वलसाड से गिरफ्तार!

पारडी में सिक्योरिटी एजेंसी में करता था नौकरी वाराणसी पुलिस को लंबे समय से थी तलाश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में वर्ष 1997 में हुए चर्चित हत्या कांड का वांछित आरोपी आखिरकार 28 साल बाद गुजरात के वलसाड जिले के पारडी से पकड़ा गया। आरोपी त्रिभुवन सिंह उर्फ कल्लू सिंह (उम्र 58 वर्ष) को वलसाड लोकल क्राइम ब्रांच (LCB) की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार, ख्र्क्क की टीम नियमित पेट्रोलिंग पर थी तभी उन्हें खबर मिली कि पारडी के पुराने सर्कल क्षेत्र में रहने वाला एक शख्स – कल्लू सिंह – वाराणसी के पुराने हत्याकांड का फरार आरोपी है। टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर दबिश दी और उसे हिरासत में लिया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि साल 1997 में वाराणसी के लंका थाना क्षेत्र स्थित हेरिटेज प्राइवेट हॉस्पिटल के मैनेजर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में लंका थाने में हत्या का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें कल्लू सिंह उर्फ त्रिभुवन सिंह मुख्य आरोपी था और तब से फरार चल रहा था।

गिरफ्तारी के समय आरोपी पारडी में एक निजी सिक्योरिटी एजेंसी में सुपरवाइज़र की नौकरी कर रहा था और सालों से वहीं छिपा हुआ था। पुलिस ने उसके पास से मोबाइल फोन और आधार कार्ड भी जब्त किया है।

पूछताछ में त्रिभुवन सिंह ने हत्या की वारदात में अपनी संलिप्तता कबूल की है। LCB ने इस मामले में उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के लंका पुलिस स्टेशन से संपर्क कर आरोपी को सीआरपीसी की धारा 41(1) के तहत विधिवत गिरफ्तार कर लिया है।

अब आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु आरोपी को उत्तर प्रदेश पुलिस के हवाले किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सूरत नगर निगम के इंडोर स्टेडियम में एक बार फिर से नवरात्रि आयोजन के लिए ऑफर (प्रस्ताव) मंगवाए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में खेलों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बनाए गए इंडोर स्टेडियम का उपयोग जब गरबा और मनोरंजन कार्यक्रमों के लिए किया गया, तब स्टेडियम की फ्लोरिंग को भारी नुकसान पहुँचा था। इसके बाद नगर निगम ने अन्य मरम्मत कार्यों के साथ लगभग 10 साल पहले करीब 30 करोड़ रुपये की लागत से स्टेडियम का नवीनीकरण करवाया था। उस समय निर्णय लिया गया था कि नवरात्रि के लिए स्टेडियम नहीं दिया जाएगा। लेकिन अब निगम ने यू–टर्न लेते हुए एक बार फिर नवरात्रि के आयोजन के लिए इंडोर स्टेडियम किराए पर देना शुरू कर दिया है।

इस वर्ष भी सूरत नगर निगम ने गरबा आयोजन करने वाली इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों से नवरात्रि के दौरान इंडोर स्टेडियम किराए पर देने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। एक समय था जब नवरात्रि के लिए इंडोर स्टेडियम को स्टेटस सिंबल माना जाता था और यह मोटी रकम में किराए पर जाता था। वर्ष 2008–2009 के दौरान इंडोर स्टेडियम के लिए अधिकतम 1 करोड़ रुपये तक की पेशकश की गई थी। हालांकि, उस समय स्टेडियम का उपयोग खेलों की बजाय मनोरंजन गतिविधियों के लिए अधिक हो रहा था, जिससे उसकी फ्लोरिंग को काफी नुकसान हुआ था।

बाद में नगर निगम ने वर्ष 2013 में 30 करोड़ रुपये खर्च कर स्टेडियम का पुनर्निर्माण किया। इसके बाद से वहां खेल आयोजनों की शुरुआत हुई, लेकिन अब एक बार फिर से गरबा आयोजनों के लिए स्टेडियम किराए पर दिया जा रहा है।

इस वर्ष भी सूरत नगर निगम ने इंडोर स्टेडियम को किराए पर देने के लिए टेंडर जारी किए हैं। निगम ने इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों से प्रस्ताव (ऑफर) मांगे हैं। जब ये प्रस्ताव नगर निगम को मिल जाएंगे, उसके बाद ही यह तय होगा कि नवरात्रि के लिए इंडोर स्टेडियम कितने रुपये में किराए पर दिया जाएगा।

सुघड़ के किसान के साथ 32.66 करोड़ की ठगी

रिश्तेदार ने ही कोरे कागज़ पर अंगूठा लगवाकर जमीन हड़प ली, 5 के खिलाफ शिकायत दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुघड़ गांव के एक किसान के साथ 32.66 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी किसान के रिश्तेदार बने और भरोसा जीतने के बाद कोरे कागज़ों पर अंगूठा लगवाकर उसकी कीमती जमीन अपने नाम कर ली। पीड़ित किसान की शिकायत के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज किया गया है।

गांधीनगर जिले के सुघड़ गांव के एक किसान के साथ पांच लोगों ने 32.66 करोड़ रुपये की ठगी की है। किसान का रिश्तेदार बनने वाले शख्स और उसके दोस्तों ने किसान से कोरे कागज़ों पर अंगूठा लगवाकर पुश्तैनी जमीन हड़प ली, जिसके बाद इनके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है।

अडालज पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के मुताबिक, सुघड़ गांव के किसान भीखाजी के पोते की सगाई मई 2023 में कल्पेश ठाकोर की बेटी से तय हुई थी। कल्पेश और उसका दोस्त मुकेश भरवाड़ ने जमीन के विवादों को सुलझाने का बहाना बनाकर भीखाजी और उनके परिवार के लोगों से कोरे कागजों पर अंगूठे और दस्तखत करवा लिए। इसके अलावा अलग–अलग सरकारी दफ्तरों में आवेदन करने के बहाने कोरे चेक और RTGS फॉर्म पर भी दस्तखत ले लिए।